दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

वर्ष-4 अंक-352 भोपाल, मंगलवार 02 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

ITDC

पंचांग

कार्तिक कृष्ण पक्ष
द्वादशी, मंगलवार 22
विक्रम, संवत 2078

ITDC

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:26/5:43
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	23 %
वायु (किमी/घ.)	10
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

ITDC

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 49,130

ITDC

शेयर सूचकांक

बीएसई	60138.46	+831.53
निफ्टी	17929.65	+258.00

प्रियंका गांधी ने महिलाओं के लिए घोषणा पत्र जारी किया

नई दिल्ली। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं को साधने के लिए कांग्रेस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कुछ दिन पहले चुनाव में 40 फीसदी टिकट महिलाओं को देने का ऐलान किया था। अब उन्होंने महिलाओं के लिए अलग से घोषणापत्र जारी कर दिया है। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर महिलाओं के लिए अलग से घोषणापत्र जारी किया, जिसमें उन्होंने छात्राओं को स्मार्टफोन और स्कूटी देने का वादा किया है।

सचिन वझे 6 नवंबर तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में

मुंबई। मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वझे को अवैध वसूली मामले में सोमवार को एस्प्लेनेड कोर्ट लाया गया। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में उनकी 10 दिन की हिरासत मांगी। कोर्ट ने वझे को 6 नवंबर तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले शनिवार को मुंबई की एक अदालत ने वझे के खिलाफ अवैध वसूली मामले में जारी पेशी वारंट पर रोक लगाने से इंकार किया था। अदालत ने कहा कि आरोपी याचिका के जरिए ये कहते हुए सीधे अदालत का रुख नहीं कर सकता कि उसे कोर्ट के समक्ष पेश नहीं किया जाए।

अखिलेश अगला विस चुनाव नहीं लड़ेंगे

नईिद्ल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और क्क के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि वह अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। आजमगढ़ से सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि सपा छोटी पार्टियों से गठबंधन करेगी। राष्ट्रीय लोक दल के साथ गठबंधन और सीटों के बंटवारे पर बातचीत जारी है।

एनआईए कोर्ट ने 2 आतंकियों को उम्रकैद, दो को 10 साल और एक को 7 साल की सजा सुनाई

पटना सीरियल ब्लास्ट केस में 4 को फांसी की सजा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बिहार में पटना के गांधी मैदान में 8 साल पहले को हुए सीरियल बम ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट ने 9 आतंकियों को सजा का ऐलान कर दिया है। विशेष एनआईए कोर्ट के जज गुरविंदर सिंह मल्होत्रा ने 4 आतंकियों को फांसी की सुनाई है, जबकि 2 को उम्र कैद की सजा दी गई है। दो दोषियों को 10 साल और एक को 7 साल की सजा सुनाई है। तत्कालीन प्रधानमंत्री उम्मीदवार नरेंद्र मोदी की हुंकार रैली में 27 अक्टूबर 2013 हुए बम ब्लास्ट मामले में जेल में कैद 10 में से 9 आतंकियों को बीते 27 अक्टूबर को दोषी करार दिया गया था।

एनआईए कोर्ट ने नोमान अंसारी, हैदर अली उर्फ अब्दुल्लाह उर्फ ब्लैक ब्यूटी, मो. मोजिबुल्लाह अंसारी और इम्तियाज अंसारी उर्फ आलम को फांसी की सजा दी है। साथ ही उमर सिद्दीकी और अजहरूद्दीन को उम्र कैद की सजा दी है। यह सभी 6 आतंकी आईपीसी के सेक्शन 302, 120B और UAPA एक्ट जैसे गंभीर धाराओं में दोषी करार दिए गए थे। एनआईए के वकील ललित प्रसाद सिन्हा ने इन सभी के लिए फांसी की मांग की थी। इनके अलावा कोर्ट ने अहमद हुसैन और फिरोज आलम उर्फ पप्पू को 10 साल और इफ्तिखार आलम को 7 साल की सजा सुनाई है। खास बात है कि इफ्तिखार की सजा 7 साल पूरी हो गई है।

बचाव पक्ष ने रखी थी पुनर्वास की मांग

कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी आतंकी को इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करनी है तो वो 30 दिनों के अंदर कर लें, वरना सजा पर अमल किया जाएगा। इसके पहले बचाव पक्ष के वकील सैयद इमरान गनी ने कोर्ट के बाहर कहा था कि उन्होंने दोषियों के लिए पुनर्वास की मांग की है। क्योंकि, सरकारी वकील इस बात को साबित करने में विफल रहे हैं कि इनका पुनर्वास नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के कई ऐसे फैसले हैं, जिनमें कहा गया है कि जिन अभियुक्तों के पुनर्वास के चांसेज हैं, उनके साथ सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार किया जाए।

27 अक्टूबर को दोषी करार दिए गए थे 10 में से 9 आतंकी

दोषियों में 5 आतंकवादी तो गया के महाबोधि मंदिर में हुए सीरियल बम ब्लास्ट के भी आरोपी हैं। ये इस मामले में की सजा भी काट रहे हैं। कोर्ट ने 27 अक्टूबर को इस मामले में 10 में से 9 आरोपियों को दोषी करार दिया था। दोषियों को पटना के बेऊर जेल में रखा गया है। कोर्ट ने कहा था कि इस केस में दोषियों की सजा का ऐलान 1 नवंबर को किया जाएगा। जबकि, एक आरोपी व उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के रहने वाले फखरुद्दीन को कोर्ट ने सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था। सीरियल ब्लास्ट के मामले में एनआईए ने 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

मोदी को मानव बम से उड़ाने का था प्लान

27 अक्टूबर 2013 को पटना के गांधी मैदान में नरेंद्र मोदी की हुंकार रैली थी। इस रैली में उस वक्त भाजपा के PM उम्मीदवार और वर्तमान में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद थे। प्रतिबंधित संगठन सिमी के आतंकवादियों के निशाने पर नरेंद्र मोदी ही थे। यह एनआईए की जांच और कोर्ट में पेश किए गए सबूतों से स्पष्ट हो चुका है। आतंकवादियों की साजिश पहले मानव बम के जरिए सीधे नरेंद्र मोदी को ही टारगेट करने की थी। इसके लिए झारखंड में रांची के ध्रुवा डैम के पास आतंकियों ने ट्रायल भी किया था, जो विफल रहा।

आत्म निर्भर भारत में मध्यप्रदेश भी दे रहा है योगदान : गृहमंत्री

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

पत्रकारों से बातचीत करते हुए आज गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी देश के बारे में सोचते हैं और पूरा देश भी इस पर भरोसा करता है कि प्रधानमंत्री जी उनके बारे में सोचते हैं। इसलिए अगर ममता बनर्जी, प्रशांत किशोर भी सोचते हैं कि मोदी जी ताकतवर होते जा रहे हैं, तो इसमें हैरानी की क्या बात है? प्रधानमंत्री जी के आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार करने में मध्यप्रदेश भी अपना योगदान दे रहा है। आइए, हम सभी एक विकसित मध्यप्रदेश बनाने में अपना योगदान दें। प्रदेश के किसान भाईयों को खाद उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मंगलवार तक खाद की पर्याप्त मात्रा

में आपूर्ति सुनिश्चित हो जाएगी। किसान भाईयों से अपील है कि वह धैर्य रखें। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के सिर्फ 8 नए केस आए हैं और संक्रमण की दर? अब 0.01 फीसदी है। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना के एक्टिव केस 116 और रिकवरी रेट 98.60 फीसदी है। त्रिपुरा हिंसा पर ज्ञापन में आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने पर पीएफआई संगठन से जुड़े 6 लोगों को आईपीसी की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। इसी तरह की भाषा का प्रयोग राहुल गांधी जी भी अपने भाषणों में करते हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रियंका गांधी जी चुनावी मंच से जो घोषणाएं कर रहीं हैं, उनको पहले कांग्रेस शासित राज्यों में तो लागू करवा कर दिखाएं। वैसे भी प्रियंका जी को अच्छी तरह पता हैं कि उत्तरप्रदेश में उनकी सरकार तो बनने वाली नहीं है इसलिए घोषणा पर घोषणा कर रहीं हैं।

खाद की कोई दिक्कत नहीं

नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में खाद की दिक्कत नहीं है। किसानों को सरकार खाद उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंगलवार तक खाद की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति सुनिश्चित हो जाएगी। किसानों भाइयों से अपील है कि वह धैर्य रखें। आज रात से लेकर कल तक पूरे प्रदेश में खाद की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति हो जाएगी।

योगी बोले- अखिलेश की सोच तालिबानी:मुरादाबाद में कहा-

जिन्ना से पटेल की तुलना शर्मनाक अपने बयान पर देश से माफी मांगें

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लखनऊ

उत्तर प्रदेश में जिन्ना पर जुबानी जंग तेज हो गई है। सोमवार को मुरादाबाद पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की सोच तालिबानी है। योगी ने कहा- मैंने अखिलेश का भाषण सुना। वे राष्ट्र को जोड़ने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल की तुलना देश तोड़ने वाले जिन्ना से कर रहे थे। यह बेहद शर्मनाक है। अखिलेश यादव को देश से माफी मांगनी चाहिए। दरअसल, अखिलेश यादव ने रविवार को हरदोई में सरदार पटेल की तुलना जिन्ना से कर दी थी। उन्होंने कहा था कि सरदार पटेल, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और जिन्ना एक ही संस्था में पढ़कर बैरिस्टर बनकर आए थे। एक ही जगह पढ़ाई-लिखाई की। वह बैरिस्टर बने और उन्होंने आजादी दिलाई।

सरदार पटेल का अपमान स्वीकार नहीं

मुरादाबाद में ष्ट्रूयोगी ने कहा कि पूरा देश सरदार पटेल को लौह पुरुष मानता है। ऐसे समय में अखिलेश की सोच फिर से सामने आई है। उन्होंने देश को तोड़ने वाले जिन्ना को देश को जोड़ने वाले सरदार पटेल के समकक्ष रख दिया है। ये सोच हमेशा तोड़ने में विश्वास रखती है। पहले इन्होंने समाज को जाति के नाम पर तोड़ने की साजिशें रचीं, मंसूबे पूरे नहीं हुए तो महापुरुषों पर लांछन लगाकर पूरे समाज को अपमानित करने का प्रयास किया जा रहा है।

समीर वानखेड़े ने दिल्ली में स्ष्ट आयोग में कास्ट सर्टिफिकेट पेश किया, आयोग ने महाराष्ट्र सरकार से मांगी रिपोर्ट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक के आरोपों के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े सोमवार को दिल्ली पहुंचे। उन्होंने अनुसूचित जाति आयोग पहुंचकर अपनी कास्ट से जुड़े दस्तावेज जमा कराए। उन्होंने आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला से भी मुलाकात की। मलिक ने वानखेड़े पर मुस्लिम होने का आरोप लगाया था और कहा था कि उन्होंने अपनी जाति छिपाई है। इससे पहले, समीर वानखेड़े ने शनिवार को ह्ष्टस्ष्ट के उपाध्यक्ष अरुण हलदर से मुलाकात की थी। रविवार को हलदर ने समीर के पिता ज्ञानदेव वानखेड़े से उनके घर जाकर मुलाकात की थी। इस पर सवाल उठाते हुए मलिक ने हलदर की शिकायत राष्ट्रपति से करने की बात कही है।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

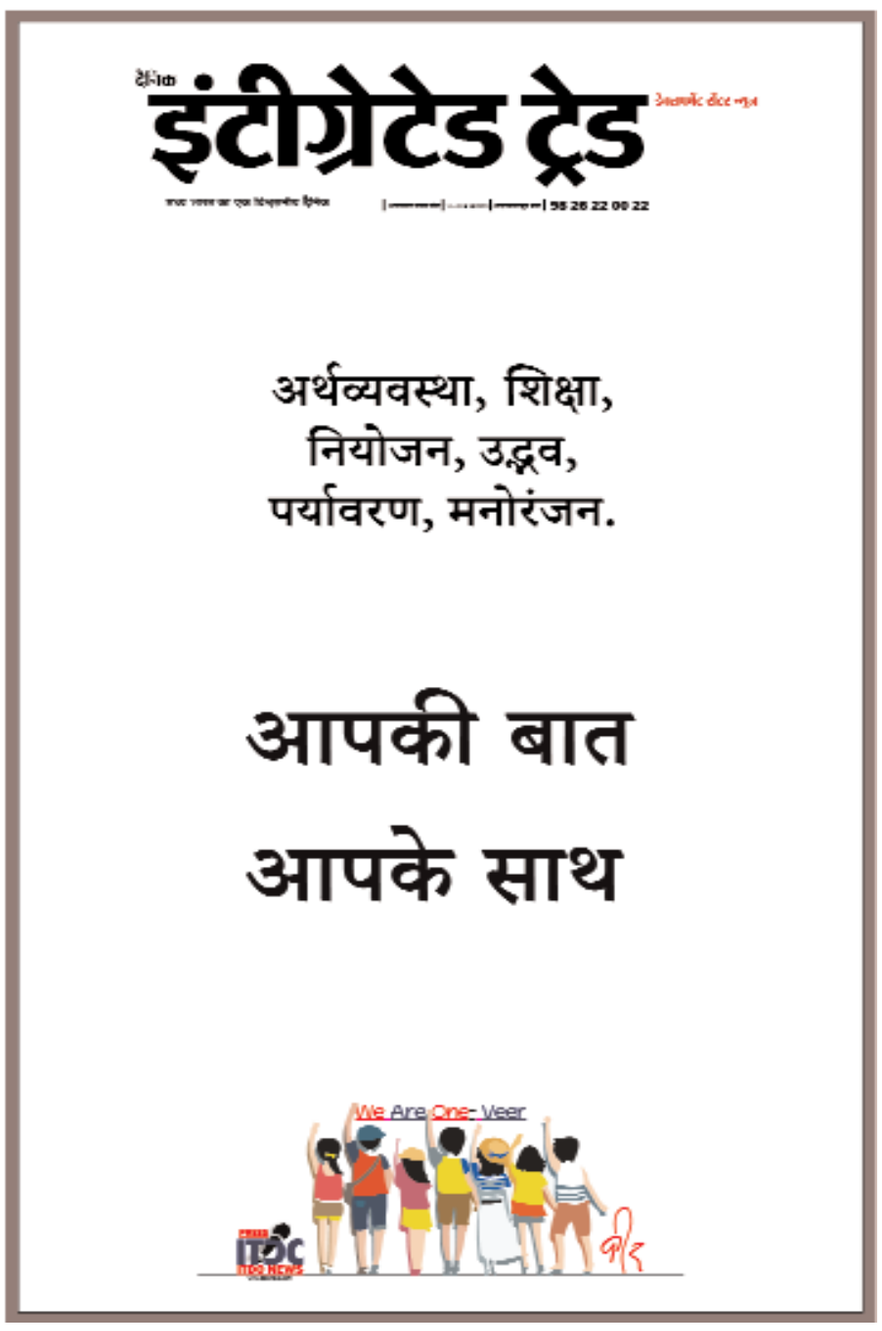

ग्लास्गो में मोदी का स्वागत

भारतीय मूल के लोगों ने गाना गाया- इस देश का यारों क्या कहना, मोदी है भारत का गहना

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 दिन के यूरोप दौरे पर हैं। रविवार को त्न-20 समिट खत्म होने के बाद क्रूमोदी ष्टह्रक्क-26 समिट में भाग लेने ग्लासगो पहुंचे। यहां भारतीय मूल के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। एयरपोर्ट से होटल पहुंचे मोदी का लोगों ने अभिनंदन कर गाना गाया। लोगों ने कहा- इस देश का यारों क्या कहना, मोदी है भारत का गहना।

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्व्यर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर-9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 KM दुरी संपर्क, 8889911680,7611127324 ,7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)- (Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुबिधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345,9425008604

ITDC आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile:9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK 3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile-9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC

VACANCIES

खबर की खबर

हरदा मध्य प्रदेश के कलाकार अयोध्या में रचने जा रहे हैं इतिहास

हरदा मध्य प्रदेश के कलाकारों का कौशल अयोध्या में जन-जन के कौतूहल का केंद्र बना हुआ है। अवध इंटरनेशनल स्कूल आशापुर में अनाज से दुनिया की सबसे बड़ी कलाकृति बनने जा रही है। अनाज के दानों से श्रीराम-जानकी की छवि अपने प्रिय श्री हनुमान के साथ साकार हो रही है।

अवध इंटरनेशनल स्कूल आशापुर में 11 हजार वर्ग फीट के भूखंड पर

125 किलो अनाज से हरदा के 60 कलाकार श्रीराम-जानकी की छवि उकेर रहे हैं। हरदा म.प्र. के कृषि मंत्री कमल पटेल की कर्मभूमि है,उनके सानिध्य में सतीश गुर्जर व उनकी टीम द्वारा बनाई गई पूर्व राष्ट्रपति महामहीम अब्दुल कलाम जी की कलाकृति व युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानन्द जी की अनाज के दानों से बनाई गई कलाकृति विश्व रिकार्ड में स्थान प्राप्त कर भारत को गौरवान्वित कर चुकी हैं।

एक और विश्व रिकार्ड की ओर अग्रसर श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में हरदा जिला म.प्र. के लगभग 60 कलाकारों द्वारा सतीश गुर्जर के नेतृत्व में 11 प्रकार के सवा सौ क्विंटल अनाज के दानों से भगवान श्रीराम, माता जानकी व हनुमान जी की भव्य एवं विश्व की सबसे बड़ी कलाकृति बनाई जा रही है। जो लगभग 10800 वर्ग फिट में होगी। यह कलाकृति कमल पटेल कृषि मंत्री म.प्र. के सानिध्य में खिलता कमल जनकल्याण सामाजिक सेवा संस्थान के सहयोग से कलाकार सतीश गुर्जर के नेतृत्व में तैयार की जा रही है।

संस्थान के अध्यक्ष कृषि मंत्री कमल पटेल के पुत्र संदीप पटेल स्वंय अयोध्या में टीम की हौसला अफजाई के लिए मौजूद हैं। शनिवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव तथा विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख मुकुन्द, संस्कार भारती मध्य प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रमोद झा, उत्तर प्रदेश सरकार के विधि मंत्री ब्रजेश पाठक, पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी, राज्यमंत्री चौधरी उदयभान सिंह की मौजूदगी में इस कलाकृति का लोकार्पण होगा। जन-जन के प्रेरक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पावन अयोध्या में एक और गौरवमयी क्षण इतिहास के पन्नों में दर्ज होने जा रहा हैं। भारत का कला के क्षेत्र में वैभवशाली इतिहास रहा हैं उसी इतिहास के पन्नों पर एक और स्वर्णिम क्षण जुड़ने की गौरव गाथा लिख चुका हैं।

BREAKING NEWS

खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

ऐपल को देश से 3.3 अरब डॉलर की आय

विश्लेषकों का कहना है कि 1 अक्टूबर 2020 से 25 सितंबर 2021 के बीच के आय अनुमानों के आधार पर ऐपल इंक का भारतीय राजस्व बढ़कर करीब 3.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह आकलन पिछले सप्ताह घोषित ऐपल के वित्त वर्ष 2021 की चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों पर बुलाए गए विश्लेषक सम्मेलन पर आधारित है। ऐपल इंक के सीईओ टिम कुक ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2021 में भारत और वियतनाम में अपना कारोबार दोगुना कर लिया है। लेकिन उन्होंने कोई और ब्योरा नहीं दिया। विश्लेषकों का कहना है कि ऐपल की भारत में अच्छी वृद्धि के बावजूद उसके कुल राजस्व में देश का हिस्सा अब भी 1 फीसदी से कम है। इससे भारतीय बाजार में वृद्धि की भरपूर संभावनाओं का पता चलता है। ऐपल इंक की कुल शुद्ध बिक्री वित्त वर्ष 2021 में 365.81 अरब डॉलर यानी 1 अरब डॉलर प्रतिदिन रही। इसमें भारतीय राजस्व की हिस्सेदारी 0.9 फीसदी है। विश्लेषकों का कहना है कि यह वित्त वर्ष 2020 की तुलना में बेहतर है। पिछले साल ऐपल के वैश्विक शुद्ध राजस्व में भारत के राजस्व की हिस्सेदारी 0.6 से 0.7 फीसदी रही थी। इसके अलावा कंपनी को वित्त वर्ष 2021 में भारत में करीब 60 फीसदी कमाई आईफोन की बिक्री से हुई, जिसका हिस्सा भी दुनिया भर में उसकी कुल फोन बिक्री में महज 1 फीसदी से थोड़ा अधिक है। भारत में ऐपल के प्रवक्ता ने इस मामले में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। कुक ने कहा कि अब भारत जैसे उभरते देशों का कंपनी की वैश्विक बिक्री में एक तिहाई हिस्सा है। बाजार के रूप में भारत की बढ़ती अहमियत का पता इस तथ्य से चलता है कि पहली बार नए आईफोन मॉडल- आईफोन 13 को भारत में भी उसी दिन पेश किया गया, जब इसे अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, यूएई, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख वैश्विक बाजारों में पेश किया गया। इससे पहले भारतीय उपभोक्ताओं को नया आईफोन बाकी बाजारों में आने के बाद तीन से चार हफ्ते तक इंतजार करना पड़ता था।

तीन आईपीओ खुले:पॉलिसी बाजार का प्राइस बैंड 940-980 रुपए, एसजेएस एंटरप्राइजेज और सिगाची इंडस्ट्रीज का भी आईपीओ के जरिए पैसा जुटाने का प्लान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पॉलिसीबाजार की पैरेंट कंपनी पीबी फिनटेक का इनिशियल पब्लिक ऑफर आज ओपन हो गया है। पीबी फिनटेक ने आईपीओ का प्राइस बैंड 940-980 रुपए प्रति शेयर रखा है। पॉलिसी बाजार के साथ ही एसजेएस एंटरप्राइजेज लिमिटेड और सिगाची इंडस्ट्रीज के आईपीओ भी आज ओपन हुए हैं। एसजेएस एंटरप्राइजेज का प्राइस बैंड 531 से 542 रुपए हैं और सिगाची इंडस्ट्रीज का 161 से 163 रुपए। एसजेएस एंटरप्राइजेज की आईपीओ से 800 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी है। वहीं सिगाची इंडस्ट्रीज 125 करोड़ रुपए जुटाएगी। 3 नवंबर तक निवेशक इश्यू को सब्सक्राइब कर सकते हैं। ग्रे मार्केट में

शेयर का 150 रुपए प्रीमियम पॉलिसीबाजार के शेयर खरीदने के इच्छुक निवेशक मिनिमम 15 शेयर के लॉट के लिए एप्लाई कर सकते हैं। कंपनी की योजना 15 नवंबर तक प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और BSE पर लिस्ट होने की है। इश्यू का 75 फीसदी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए और 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए रिजर्व रखा गया है। रिटेल इन्वेस्टर के लिए केवल 10 फीसदी शेयर रिजर्व है। मार्केट ऑब्जर्वर्स के मुताबिक ग्रे मार्केट में पॉलिसीबाजार के शेयर का आज का प्रीमियम 150 रुपए हैं। पॉलिसीबाजार के 5,710 करोड़ रुपए के आईपीओ में 3,750 करोड़ रुपए नए इश्यू से और ऑफर फॉर सेल के जरिए करीब 1,900 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत, एसवीएफ पायथन II (केमैन) 1,875 करोड़ रुपए के शेयर बेचेगा, यशिश दहिया 30 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे, आलोक बंसल 12.75 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे, शिखा दहिया 12.25 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगी। राजेंद्र सिंह कुहर 3.5 करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री करेंगे। पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस और लेंडिंग प्रोडक्ट का एक लीडिंग प्लेटफार्म है। पीबी फिनटेक ने FY21 में 150.24 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया। हालांकि, ये घाटा FY20 में कंपनी को हुए 304.03 करोड़ रुपए के घाटे से कम था। FY21 में ऑपरेशन से रेवेन्यू सालाना आधार पर 15 फीसदी बढ़कर 886.66 करोड़ रुपए रहा। वहीं 2021 की जून तिमाही के दौरान घाटा 110.84 करोड़ रुपए रहा। इसी अवधि में रेवेन्यू सालाना आधार पर 175.02 करोड़ रुपए से बढ़कर 237.73 करोड़ रुपए हो गया। ब्रोकरेज हाउस की सलाह केआर चोकसी, सैमको सिक्योरिटीज और चॉइस ब्रोकिंग ने पॉलिसी बाजार के आईपीओ को लॉन्ग टर्म के लिए खरीदने की सलाह दी है।

ऑटो सेल्स अक्टूबर 2021

फेस्टिवल सीजन में मारुति की बिक्री 24 फीसदी घटी, तो टाटा मोटर्स की 30 फीसदी बढ़ी

बजाज की गाड़ियों की डिमांड भी कम रही

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ऑटोमोबाइल कंपनियों ने अक्टूबर सेल्स की आंकड़े जारी करना शुरू कर दिए हैं। देश की सबसे बड़ी कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुजुकी को सालाना आधार पर 24 फीसदी का नुकसान हुआ है। टू और थ्री व्हीलर बनाने वाली कंपनी बजाज ऑटो की अक्टूबर में सालाना आधार पर 14 फीसदी बिक्री घट गई। वहीं, हैवी कॉमर्शियल व्हीकल बनाने वाली कंपनी अशोक लेलैंड को सालाना बेसिस पर 11 फीसदी की ग्रोथ मिली है। इधर एस्कॉर्ट ट्रैक्टर की सालाना आधार पर 1 फीसदी का नुकसान हुआ है।

मारुति सुजुकी को डोमेस्टिक सेल्स 32 फीसदी घट गई:- कंपनी ने अक्टूबर 2021 में 1.38 लाख यूनिट्स की बिक्री थी। अक्टूबर 2020 में ये आंकड़ा 1.38 लाख यूनिट्स का रहा था। यानी सालाना आधार पर कंपनी की ओवरऑल सेल्स 24.2 फीसदी गिर गई। इस दौरान उसकी डोमेस्टिक

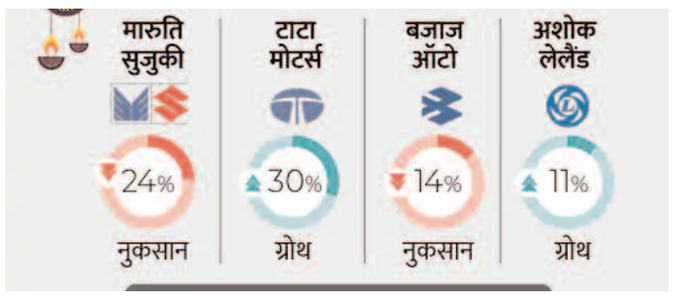

सेल्स 32.4 फीसदी गिर गई। बीते महीने कंपनी की डोमेस्टिक सेल्स 1.17 लाख यूनिट्स की रही। वहीं. बीते साल अक्टूबर ये आंकड़ा 1.73 लाख यूनिट्स का था। हालांकि, एक्सपोर्ट में उसे 1.2 गुना का फायदा हुआ है। कंपनी ने बीते महीने 21,322 यूनिट्स एक्सपोर्ट की, जो सालभर पहले 9,586 यूनिट्स थी।

टाटा मोटर्स को सालाना आधार पर 30 फीसदी की धमाकेदार ग्रोथ:- अक्टूबर में टाटा मोटर्स ने 67,829 यूनिट्स की बिक्री थी। बीते साल अक्टूबर में ये आंकड़ा 52,132 यूनिट्स का था। यानी उसे सालाना आधार पर 30 फीसदी की ग्रोथ मिली। इस दौरान कंपनी को कॉमर्शियल व्हीकल सेल्स में 18 फीसदी का फायदा हुआ। उसने बीते महीने 33,674 यूनिट्स की बिक्री की, जो सालभर पहले 28,472 यूनिट्स थीं। फेस्टिवल सीजन के चलते कंपनी को डोमेस्टिक सेल्स में 31 फीसदी की ग्रोथ मिली। उसने 65,151 यूनिट्स बेचीं, जो सालभर पहले 49,669 यूनिट्स थीं।

बजाज ऑटो को डोमेस्टिक सेल्स में 22 फीसदी का नुकसान:- अक्टूबर में बजाज की ओवरऑल सेल्स 4.39 लाख यूनिट्स की रही। जबकि अक्टूबर 2020 में ये आंकड़ा 5.12 लाख यूनिट का रहा था। यानी सालाना आधार पर उसे 14 फीसदी की बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा। इस दौरान कंपनी की डोमेस्टिक सेल्स 22 फीसदी घट गई। अक्टूबर 2020 में कंपनी ने 2.81 लाख यूनिट की बिक्री की थी, जो अक्टूबर 2021 में घटकर 2.18 लाख यूनिट रह गई। कंपनी को एक्सपोर्ट में भी 4 फीसदी का नुकसान हुआ है। बीते महीने उसने कुल 2.21 लाख यूनिट एक्सपोर्ट की। ये आंकड़ा सालभर पहले 2.31 लाख यूनिट का था।

अशोक लेलैंड की हैवी कॉमर्शियल व्हीकल में 32 फीसदी की ग्रोथ:- अक्टूबर 2021 में कंपनी की सालाना आधार पर कुल बिक्री 11 फीसदी बढ़ गई। उसने बीते महीने 11,079 यूनिट्स की बिक्री थी। सालभर पहले ये आंकड़ा 9,989 यूनिट्स का था। इस दौरान उसके मिडियम और हैवी कॉमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में 32 फीसदी की ग्रोथ रही। कंपनी ने बीते महीने इस सेगमेंट 6,078 यूनिट्स बेची। सालभर पहले उसने अक्टूबर में 4,588 यूनिट्स की बिक्री की थी। हालांकि, कंपनी को लो कॉमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में 7 फीसदी का नुकसान हुआ है। इस सेगमेंट में उसने 5,001 यूनट्स बेचीं। सालभर पहले ये आंकड़ा 5,401 यूनट्स का था। देश में फेस्टिव सीजन की शुरुआत अक्टूबर में हुई थी। लेकिन इस सीजन में ट्रैक्टर की डिमांड सालाना आधार पर थोड़ी सी कम हो गई। अक्टूबर 2021 में एस्कॉर्ट ने कुल 13,515 ट्रैक्टर बेचे। ये आंकड़ा सालभर पहले 13,664 यूनिट्स का था।

त्योहार से पहले महंगाई का झटका

कमर्शियल गैस सिलेंडर 264 रुपए महंगा हुआ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिवाली से पहले पेट्रोलियम कंपनियों ने आम आदमी को बड़ा झटका दिया है। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 264 रुपए की भारी बढ़ोतरी की गई है। अब दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर 2000.50 रुपए का हो गया है। हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इधर, लगातार छठवें दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं।

इस साल अब तक 668.50 रुपए महंगा हुआ सिलेंडर:- 31 दिसंबर 2021 को दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1332 रुपए पर थी, जो अब 2000.50 पर पहुंच गई है। यानी इस साल अब तक कमर्शियल सिलेंडर 668.50 रुपए महंगा हो चुका है। इससे पहले 1 अक्टूबर को भी इसकी कीमत में 43.5 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। कमर्शियल सिलेंडर के महंगे होने की वजह से रेस्टोरेंट का खाना-पीना काफी महंगा हो जाएगा।

पिछले महीने ही घरेलू गैस की कीमत बढ़ाई गई थी:- घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में भी पिछले महीने ही बढ़ोतरी हुई थी। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने रसोई गैस के दाम 15 रुपए बढ़ा दिए थे। दिल्ली और मुंबई में नॉन-सब्सिडी वाले 14.2 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत अब 899.50 रुपए है। इस बीच पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के भी दाम में 35-35 पैसे की बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 109.69 रुपए प्रति लीटर हो गई है।

एलआईसी की हिस्सेदारी घटी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी शेयर बाजार पर अपना दांव ढीला कर रही है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी सितंबर तिमाही में 50 तिमाहियों में सबसे कम थी। इसका पता ट्रैकर प्राइमइन्फोबेस डॉट कॉम के आंकड़ों से चलता है। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि कुल सूचीबद्ध कंपनियों में इसकी हिस्सेदारी 3.69 फीसदी है, जो जून 2009 के बाद सबसे कम है। यह जून 2021 तिमाही में 3.74 फीसदी के मुकाबले भी कम है। इसमें जून 2012 के बाद गिरावट आ रही है। उस समय इसके पास नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल मूल्य की पांच फीसदी हिस्सेदारी थी। यह विश्लेषण एनएसई पर सूचीबद्ध कुल 1732 कंपनियों में से 1,688 पर आधारित है। इसमें उन सभी कंपनियों को शामिल किया गया है, जिन्होंने तिमाही के आखिर तक शेयरधारिता के आंकड़े दाखिल कर दिए हैं। शेष कंपनियों में से ज्यादातर स्मॉल कैप हैं, जिनका रुझान पर असर नहीं पडने के आसार हैं। यह विश्लेषण उन कंपनियों पर आधारित है, जिनमें एलआईसी की कम से कम एक फीसदी हिस्सेदारी है। एक फीसदी से अधिक हिस्सेदारी होने पर खुलासा करना अनिवार्य होता है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि जून से दिसंबर 2020 के बीच एलआईसी की हिस्सेदारी में कमी आई, जो मुनाफावसूली का संकेत है। प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा कि उन्होंने शायद पिछली तिमाही में भी मुनाफावसूली जारी रखी। उन्होंने कहा कि स्वामित्व की घटती हिस्सेदारी इस बात का भी संकेत हो सकता है कि एलआईसी बाजार में मूल्यांकन ऊंचे स्तरों पर पहुंचने की चर्चाओं के बीच उतने आक्रामक तरीके से लिवाली नहीं कर रही, जितनी निवेशकों की अन्य श्रेणियां कर रही हैं। हल्दिया के मुताबिक आम तौर पर यह बीमा कंपनी बाजार में गिरावट के समय लिवाली करती है और ज्यादा सतर्कता भी बरतती है। उन्होंने कहा, %एलआईसी पहले से ही रुझान के विपरीत निवेशक रही है। वैश्विक वित्तीय सेवा समूह मॉर्गन स्टैनली ने सुझाव दिया कि निवेशकों को अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में बिकवाली करनी चाहिए। नोमुरा और यूबीएस ने भी ऐसा ही रुख अख्तियार किया है।

टाटा कंज्यूमर के प्रदर्शन पर ऊंची लागत से दबाव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

विज्ञापन और प्रोत्साहन खर्चों में भारी वृद्धि से सितंबर तिमाही में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के परिचालन प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ा। टाटा टी और टाटा कॉफी की निर्माता के लिए समेकित परिचालन मुनाफा मार्जिन (ओपीएम) 74 आधार अंक तक घटकर 13.6 प्रतिशत रह गया, क्योंकि विपणन खर्च एक साल पहले की तिमाही के मुकाबले 27 प्रतिशत तक बढ़ गया था। स्टैंडअलोन आधार पर, विज्ञापन खर्च 47 प्रतिशत तक बढ़ा। ओपीएम में गिरावट सकल मार्जिन में सालाना आधार पर 194 आधार अंक तक की वृद्धि के बावजूद आई। कंपनी ने संकेत दिया है कि विपणन खर्च ऊंचा बना रहेगा। प्रबंधन ने टी सेगमेंट, प्रीमियम साल्ट और संपन्न प्रोडक्ट पोर्टफोलियो पर खर्च बढ़ाने की योजना बनाई है। जहां इससे लागत बढ़ेगी, वहीं कंपनी का मानना है कि यह प्रतिस्पर्धी ताकत बढ़ाने और अपने प्रतिस्पर्धियों के अनुरूप आगे बढने के लिए जरूरी है। बिक्री के प्रतिशत के तौर पर विज्ञापन खर्च मुख्य व्यवसाय में सालाना आधार पर 150 आधार अंक तक बढ़कर 6.6 प्रतिशत तक पहुंच गया है। हालांकि कुछ ऊंचे खर्च से कंपनी को अपनी बाजार भागीदारी बढ़ाने में भी मदद मिल रही है। बाजार शोध फर्म नीलसन के अनुसार, जहां उसने चाय खंड में 168 आधार अंक तक का इजाफा दर्ज किया है, वहीं अगस्त के अंत तक साल्ट सेगमेंट में उसकी वृद्धि 300 आधार अंक की रही। ब्रांड निर्माण के अलावा, कंपनी ने इस पर भी ध्यान दिया है कि वितरण, नवाचार और चाय खंड में कीमत वृद्धि से उसे पिछले 18 महीनों में छोटी कंपनियों के साथ साथ असंगठित सेगमेंट से अपनी भागीदारी बढ़ाने में मदद मिली।

एट्रिशन के बावजूद हमारा प्रदर्शन शानदार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नैसडैक में सूचीबद्ध आईटी सेवा कंपनी कॉग्निजेंट ने 33 फीसदी एट्रिशन (कर्मचारियों द्वारा कंपनी छोडने की दर) दर्ज करने के बावजूद कैलेंडर वर्ष 2021 की तीसरी तिमाही में अनुमानों से बेहतर प्रदर्शन किया है। कंपनी के सीईओ ब्रायन हम्फ्रीज ने निवेशकों से बातचीत में कहा कि कंपनी के पास अपनी क्षमताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त कर्मचारी नहीं हैं। भारत कंपनी के लिए सबसे बड़ा प्रतिभा भंडार है और यहां नियुक्तियां लगातार जारी है। कॉग्निजेंट इंडिया के सीएमडी एवं अध्यक्ष (डिजिटल कारोबार एवं प्रौद्योगिकी) राजेश नाम्बियार ने शिवानी शिंदे से बातचीत में विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। पेश हैं मुख्य अंशः कॉग्निजेंट ने तीसरी तिमाही में दमदार नतीजे पेश किए और गैर-डिजिटल कारोबार में भी वृद्धि दर्ज की गई जिसे सीईओ हम्फ्रीज ने अप्रत्याशित कहा था। गैर-डिजिटल श्रेणी में वृद्धि को मुख्य तौर पर कहां से रफ्तार मिली? मैं समझता हूं कि यह तिमाही हमारी क्षमता और हमारे लोगों ने जो कड़ी मेहनत की है उसका परिचायक है। कुल मिलाकर यह एक दमदार तिमाही है। मैं भारत सहित दुनिया भर में मौजूद हमारी टीम के लिए वास्तव में आभारी हूं क्योंकि उन्होंने श्रम बाजार की चुनौतियों के बावजूद ग्राहकों के प्रति हमारी जवाबदेही को पूरा किया। सबसे पहले तीसरी तिमाही के दौरान डिजिटल राजस्व में 18 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। यह हमारे लिए एक शानदार वृद्धि है। हमने डिजिटल में व्यापक तौर पर चार प्रमुख मोर्चे- डिजिटल इंजीनियरिंग, क्लाउड, डेटा और आईओटी- पर काम किया। वास्तव में हमने दमदार प्रदर्शन दर्ज किया है। हमारे गैर-डिजिटल कारोबार के कारण डिजिटल कारोबार का प्रतिशत अब भी 44 फीसदी पर बरकरार है। डिजिटल की तरह हमारे गैर-डिजिटल कारोबार में भी जबरदस्त तेजी दिखी है। गैर-अमेरिकी बाजार में आपकी वृद्धि दो अंकों में रही जबकि अमेरिका में एकल अंक में। क्या अब आप अन्य बाजारों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं? हमारा कारोबार 9.7 फीसदी बढ़ गया। हां, यूरोप में 16.9 फीसदी और शेष दुनिया में 22 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कॉग्निजेंट को वैश्विक बनाना हमारी एक रणनीतिक प्राथमिकता है।

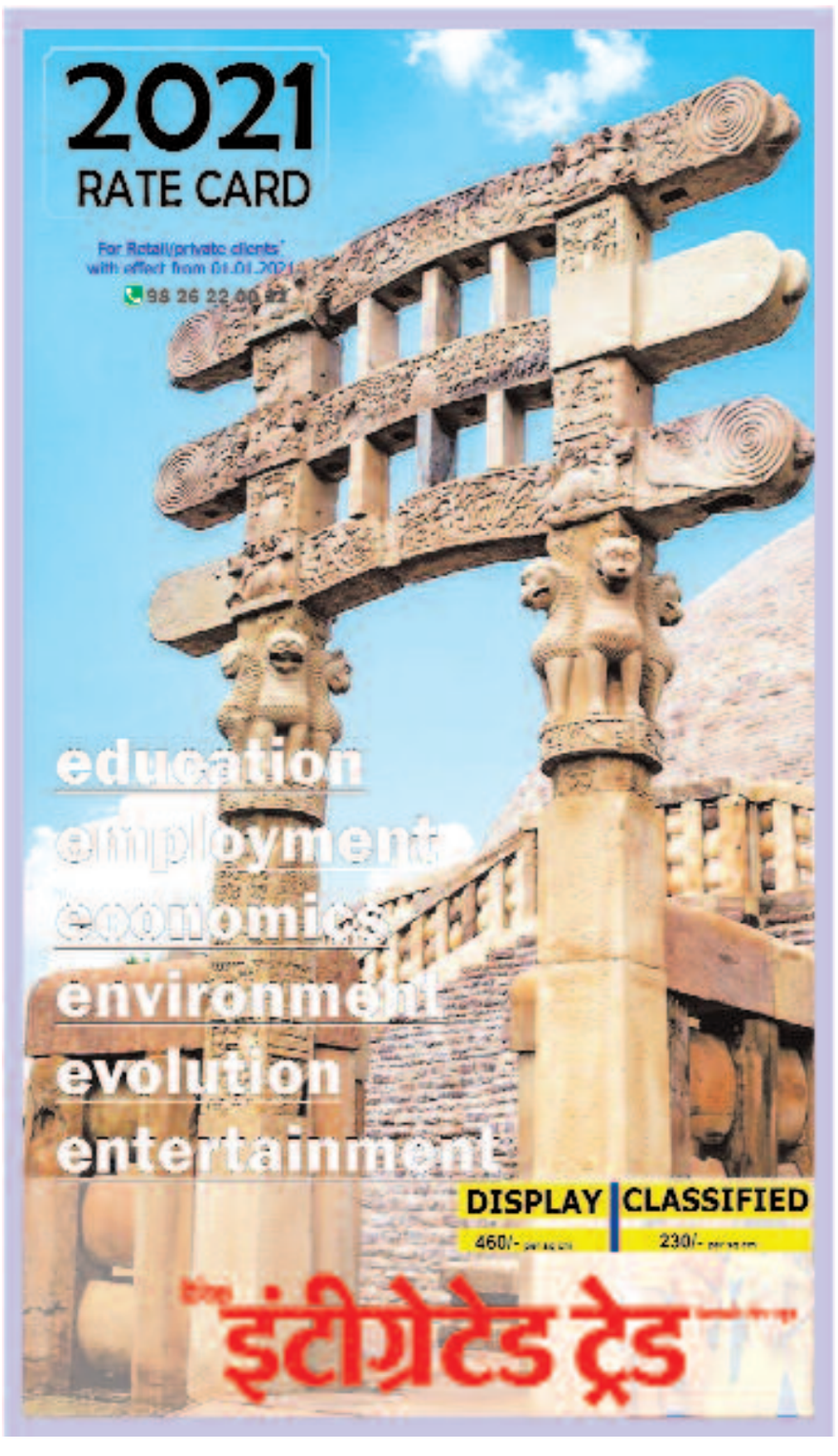

भारतीय हॉकी के सितारे और सामाजिक हकीकत

जिस दिन भारतीय महिला हॉकी टीम टोक्यो ओलिंपिक के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से हारी, दो व्यक्ति सुर्खियों में आए क्योंकि उन्होंने ओलिंपिक की सबसे खतरनाक फॉरवर्ड खिलाडियों में गिनी जा रही वंदना कटारिया के घर के पास जश्न मनाया जो दरअसल एक शर्मिंदा करने वाली हरकत थी। वंदना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहम मुकाबले में टीम की ओर से पहली हैट्रिक भी लगाई थी। इस जीत के साथ भारत अंतिम चार में पहुंचा था। यह खराब जश्न किस बात का था? क्योंकि ये व्यक्ति उच्च जाति के थे और वंदना एक दलित परिवार की हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दोनों पुरुषों की समस्या यह थी कि महिला हॉकी टीम में कई दलित हैं। इसे राष्ट्रीय शर्म कहना और दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करना उचित है, हालांकि वंदना के भाई के हवाले से कहा गया है कि पुलिस थाने के अधिकारी उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दे रहे थे। हालांकि मैं इससे प्रेरणा लेकर एक जोखिम भरे क्षेत्र में प्रवेश कर रहा हूं और सवाल करना चाहता हूं कि आखिर क्रिकेट समेत अन्य खेलों से इतर हॉकी में ऐसा क्या है जो भारत की जाति, जातीयता, भौगोलिक और धार्मिकता आधारित विविधता को इतने बेहतर ढंग से पेश करती है। मैं इसे जोखिम भरा क्षेत्र क्यों कहता हूं? पहली बात, इसलिए क्योंकि उच्च जाति जिसका तमाम बहसों और सोशल मीडिया पर दबदबा है उसे जाति जैसे पिछड़े मुद्दों पर चर्चा करना पसंद नहीं क्योंकि ये भारत को पीछे ले जाती हैं। जब भी कोई व्यक्ति क्रिकेट में पारंपरिक उच्च जातियों के दबदबे की बात करता है तो लोगों की नाराजगी देखते ही बनती है। प्रतिक्रिया इतनी तीव्र होती है कि हम एक साधारण बात कहने में भी घबराते हैं और वह यह कि भारतीय क्रिकेट में समावेशन बढ़ने के साथ इसका स्तर भी सुधरा है। या एक सवाल कर सकते हैं कि अगर भारतीय क्रिकेट क्रांति तेज गेंदबाजों की बदौलत उभरी है तो और उसके पास बड़ी तादाद में तेज गेंदबाज हैं तो ये प्रतिभाएं कहां से आई हैं? यदि इससे किसी के सवर्ण गौरव को ठेस पहुंचती है तो मैं क्षमा चाहता हूं लेकिन भारतीय क्रिकेट में समावेशन बढने के बाद यह अधिक प्रतिभासंपन्न, आक्रामक, ऊर्जावान और सफल बनी है। इसके लिए टीम और बीसीसीआई नेतृत्व को श्रेय दिया जाना चाहिए कि वहां सही मायनों में प्रतिभा का मान किया गया। दूसरी ओर हॉकी में कुछ तो है जिसने हमेशा इस खेल को उपेक्षित रखा- अल्पसंख्यक, आदिवासी, गौण समझे जाने वाले वर्ग और जातियां इसमें प्रमुखता से दिखती हैं। हम समाजशास्त्र की बात नहीं कर सकते लेकिन इतिहास और तथ्यों की कर सकते हैं। अतीत में मुस्लिम और सिख, एंग्लो इंडियन, पूर्वी और मध्य भारत के मैदानों के वंचित आदिवासी वर्ग, मणिपुरी, कोदावा आदि दशकों तक हॉकी में अपनी प्रतिभा का हुनर बिखेरते रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह तथा अन्य लोगों की इस बात के लिए आलोचना किउन्होंने याद दिलाया कि ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के आठ सदस्य उनके राज्य के हैं। उन्होंने सिख नहीं कहा लेकिन हमें याद रखना होगा। हम तथ्यों और इतिहास पर भरोसा करेंगे। भारत ने पहली बार 1928 में एम्सटर्डम ओलिंपिक में हॉकी में भाग लिया था। ध्यान चंद टीम में थे लेकिन टीम के कप्तान का आधिकारिक नाम था जयपाल सिंह। उनका पूरा नाम है जयपाल सिंह मुंडा। आपको महानायक बिरसा मुंडा याद हैं? देश का पहला ओलिंपिक स्वर्णपदक एक ऐसे व्यक्ति के नेतृत्व में आया जो झारखंड के गरीब आदिवासी परिवार से था। मुझे नहीं लगता कि देश का कोई अन्य बड़ा खेल ऐसा दावा कर सकता है। यह एक समृद्ध परंपरा की शुरुआत थी जहां पूर्वी-मध्य क्षेत्र का आदिवासी भारत निरंतर हॉकी की प्रतिभाएं देता रहा है। इसमें कुछ बेहतरीन बचाव करने वाले खिलाड़ी शामिल हैं। मौजूदा महिला टीम में दीप ग्रेस एक्का और सलीमा टेटे और पुरुष टीम में वीरेंद्र लाकड़ा और अमित रोहिदास इसका उदाहरण हैं। इनमें सलीमा स्ट्राइकर जबकि बाकी सभी डिफेंडर हैं। यदि ये पर्याप्त नहीं तो अतीत के माइकल किंडो और दिलीप टिर्की जैसे डिफेंडरों को याद कीजिए। इस परंपरा को आदिवासी क्षेत्रों में बनी कुछ बेहतरीन अकादमियों ने बढ़ावा दिया है। झारखंड के खूंटी और ओडिशा में सुंदरगढ़ और उसके आसपास ऐसी कई अकादमी हैं। जयपाल सिंह ने भारत को पहला ओलिंपिक स्वर्ण दिलाने अलावा अन्य महत्त्वपूर्ण काम किए। बचपन में ही एक ब्रिटिश पादरी परिवार ने उन्हें अपनी छत्रछाया में ले लिया था। उन्हें अध्ययन के लिए ऑक्सफर्ड भेजा गया जहां उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। परंतु उन्होंने आईसीएस बनकर जीवन बिताने के बजाय भारत के लिए खेलना और काम करना चुना। वह आदिवासियों के प्रतिनिधि के रूप में संविधान सभा में थे और भारतीयों को वैध रूप से शराब पीने पर हर घूंट के साथ उनका शुक्रिया अदा करना चाहिए क्योंकि उन्होंने हमें देशव्यापी शराबबंदी के आसन्न संकट से बचाया था।

संपादकीय

ईसाई अल्पसंख्यक और भारतीय प्रजातंत्र

यह आरोप अक्सर लगाया जाता है कि ईसाई मिशनरियां हिन्दुओं को बड़े पैमाने पर ईसाई बना रही हैं परंतु आंकड़े कुछ और ही कहानी कहते हैं। सन् 1971 में ईसाई भारत की आबादी का 2.60 प्रतिशत थे। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार उनका प्रतिशत 2.30 था। ईसाईयत को विदेशी धर्म बताया जाता है परंतु सन् 52 में सेंट थामस मलाबार तट पर उतरे थे और तब से भारत में ईसाई धर्म अस्तित्व में है। कुछ ईसाई मिशनरियां खुलकर यह घोषित करती हैं कि उनका उद्देश्य लोगों को ईसाई बनाना है परंतु उनमें से अधिकांश दूरस्थ इलाकों में और गरीब दलित समुदायों की बस्तियों में स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध करवा रही हैं।

जैसे-जैसे साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद और मजबूत, और मुखर होता जा रहा है वैसे-वैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने और उनके विरूद्ध हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पिछले एक दशक में इस प्रवृत्ति में तेजी से वृद्धि हुई है। मुस्लिम विरोधी हिंसा की चर्चा तो फिर भी होती रहती है किंतु ईसाई समुदाय के खिलाफ हिंसा अनेक अलग-अलग कारणों से अखबारों की सुर्खी नहीं बनती। इसका एक कारण यह है कि ईसाई आबादी बिखरी हुई है और उनके विरूद्ध जो हिंसा की जाती है वह अक्सर बड़े पैमाने पर नहीं होती। ये सभी नागरिकों के एक तथ्यांन्वेषण दल के निष्कर्ष हैं जिसने देश के अलग-अलग भागों में ईसाई विरोधी हिंसा का अध्ययन और विश्लेषण किया है। इस दल की रपट में कहा गया है कि %भारत में ईसाईयों के विरूद्ध हिंसा पर नजर रखने वाले मानवाधिकार संगठनों को लगातार इस समुदाय के खिलाफ हिंसा और उन्हें आतंकित किए जाने की घटनाओं की जानकारी मिलती रहती है परंतु मीडिया और यहां तक कि मानवाधिकार के क्षेत्र में काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठनों की नजर इन घटनाओं पर नहीं पड़ती। इस रपट में उत्तरप्रदेश के विभिन्न जिलों में ईसाईयों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को सूचीबद्ध किया गया है। इसके साथ ही अक्टूबर 2020 में रूड़की में चर्च पर हमले की घटना की जांच के निष्कर्ष भी शामिल हैं। रपट कहती है कि इस मामले में पुलिस को पूर्व सूचना दी गई परंतु इसके बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। हमला शुरू होने के बाद पुलिस को सूचना दी गई परंतु वह तब पहुंची जब हमलावर अपना काम करके जा चुके थे। ईसाईयां और उनके धार्मिक स्थलों पर हमलों का उद्देश्य इस आख्यान को मजबूती देना है कि ईसाई मिशनरियां हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन करवा रही हैं।

बहुसंख्यकवाद के उभार के साथ-साथ धार्मिक अल्पसंख्यकों को नकारात्मक ढंग से प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। अलग-अलग धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों पर अलग-अलग ढंग के आरोप लगाए जाते हैं। ईसाईयों के मामले में मुख्य आरोप यह होता है कि वे हिन्दुओं को लालच, कपट और जोर-जबरदस्ती से ईसाई बना रहे हैं। आज से छ: साल पहले सन् 2015 में जूलियो रिबेरो, जिन्होंने अत्यंत प्रतिबद्धता और ईमानदारी से पुलिस अधिकारी बतौर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, ने कहा था कि %एक ईसाई बतौर अचानक मैं अपने आपको इस देश में अजनबी सा महसूस करने लगा हूं। तब से स्थितियां और खराब ही हुई हैं। भारत में ईसाई विरोधी हिंसा पर नजर रखने वाले एक संगठन प्रोसीक्यूशन रिलीफ के अनुसार सन् 2020 की पहली छैमाही में देश में ईसाईयों को प्रताड़ित करने की 293 घटनाएं हुईं। इनमें से 6 मामलों का अंत हत्या में हुआ। दो महिलाओं का बलात्कार करने के बाद उनकी हत्या कर दी गई। दो अन्य महिलाओं और एक दस साल की लड़की का इसलिए बलात्कार किया गया क्योंकि उन्होंने ईसाई धर्म त्यागने से इंकार कर दिया। उत्तरप्रदेश इस मामले में ईसाईयां के लिए सबसे बुरा राज्य था। वहां ईसाईयों के खिलाफ नफरत से उद्भुत 63 घटनाएं हुईं।

इस संस्था के संस्थापक शिबू थामस के अनुसार ये केवल वे घटनाएं हैं जिनकी जानकारी उन्हें प्राप्त हुई है। यह भी हो सकता है कि अनेक ऐसी घटनाएं हुईं हों जिनकी जानकारी उन तक न पहुंची हो। चर्चों के लिए काम करने वाली एक अन्य संस्था ओपन डोर्स के अनुसार ईसाईयों को उनके सार्वजनिक और व्यक्तिगत दोनों जीवन में प्रताड़ित किया जाता है। धर्मांतरण निरोधक कानूनों (जो अभी नौ राज्यों में लागू हैं) के अंतर्गत उन्हें परेशान किया जाता है। इन कानूनों के अंतर्गत दोषसिद्धि तो बहुत कम लोगों की होती है परंतु सालों तक अदालतों के चक्कर लगाना अपने आप में एक सजा है। भारत उन दस देशों में शामिल है जहां ईसाईयों का रहना खतरनाक है।

कर्नाटक सरकार जल्दी ही धर्मांतरण निरोधक कानून बनाने वाली है। उसने अभी से चर्चों और वहां होने वाले समागमों की जासूसी करवानी शुरू कर दी। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में 1 अक्टूबर को आयोजित एक रैली में स्वामी परमात्मानानंद ने भाजपा नेताओं की मौजूदगी में यह आह्वान किया कि धर्मांतरण में रत अल्पसंख्यकों को चुन-चुनकर मारा जाना चाहिए। यह आरोप अक्सर लगाया जाता है कि ईसाई मिशनरियां हिन्दुओं को बड़े पैमाने पर ईसाई बना रही हैं परंतु आंकड़े कुछ और ही कहानी कहते हैं। सन् 1971 में ईसाई भारत की आबादी का 2.60 प्रतिशत थे। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार उनका प्रतिशत 2.30 था।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के बढ़ते कदम

प्रियंका गांधी ने गोरखपुर की रैली में ऐलान किया कि कांग्रेस सरकार आएगी तो मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया जायेगा। गुरु मच्छेन्द्रनाथ के नाम से विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। कृषि के लिए जो छूट है वो मछली पालन में भी दी जाएगी। इसी तरह उन्होंने कांग्रेस शासन में लगाई गईं चीनी मिलों का जिक्र किया और कहा कि सपा, बसपा के शासन में चीनी मिलें बंद करा दी गईं। प्रियंका गांधी ने महिलाओं, किसानों की बात की और इसके साथ ही अजय मिश्र टेनी को मंच पर साथ खड़ा करके दूरबीन लेकर बाहुबलियों को ढूंढने वाले अमित शाह पर तंज कसा कि आपको दूरबीन की नहीं चश्मे की जरूरत है।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को नए सिरे से खड़े करने का मोर्चा संभाले प्रियंका गांधी ने गोरखपुर में एक जबरदस्त रैली की। यह रैली कई मायनों में महत्वपूर्ण रही। पहली बात तो यह कि रैली 31 अक्टूबर को रखी गई जो इंदिरा गांधी का शहादत दिवस है, साथ ही सरदार पटेल की जयंती भी है। रैली से पहले ही ट्विटर पर प्रियंका गांधी ने अपनी दादी और सरदार पटेल दोनों को याद किया था।

सरदार पटेल का जिक्र किसानों को न्याय दिलाने के लिए किया और इस तरह मोदी सरकार से संघर्षरत किसानों को संदेश भी दे दिया कि कांग्रेस उनके साथ है। अपनी दादी इंदिरा गांधी के त्याग, समर्पण और बलिदान को भी प्रियंका गांधी ने याद किया। इस रैली की दूसरी खास बात ये है कि यह उस गोरखपुर में हुई जो मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का गढ़ है। अब तक यही नारा यहां चलता था कि गोरखपुर में रहना है तो योगी, योगी कहना है। उसी गोरखपुर से प्रियंका गांधी और रैली के बाकी वक्ताओं ने भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री योगी को जमकर आड़े हाथों लिया। और तीसरी बात गोरखपुर से निषादों पर हुए अन्याय का जिक्र प्रियंका गांधी ने किया और मछली पालन के लिए बड़ी घोषणा की। निषादराज ने वनवास पर निकले रामजी को छोटे भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता सहित गंगा पार करवाई थी। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या निषाद समुदाय कांग्रेस को चुनावी नदी पार करवाने में सहायक होता है या नहीं। वैसे निषादों को साथ लेने में इस वक्त सभी दल कोशिश कर रहे हैं। संजय निषाद की निषाद पार्टी के साथ भाजपा का गठबंधन हो चुका है, लेकिन बिहार में एनडीए की सहयोगी वीआईपी के

मुखिया सन ऑफ मल्लाह के नाम से मशहूर सहनी ने भाजपा के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने योगी सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए निषाद, मछुआरा, मल्लाह, केवट, बिन्द, मांझी, धीवर, कहार, गोड़िया, रायकवार आदि जातियों के आरक्षण का मुद्दा उठाया और कहा कि 169 सीटों पर खेला होगा, यानी जहां निषाद मतदाताओं की संख्या अधिक है वहां भाजपा के लिए नुकसान हो सकता है।

प्रियंका गांधी ने गोरखपुर की रैली में ऐलान किया कि कांग्रेस सरकार आएगी तो मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया जायेगा। गुरु मच्छेन्द्रनाथ के नाम से विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। कृषि के लिए जो छूट है वो मछली पालन में भी दी जाएगी। इसी तरह उन्होंने कांग्रेस शासन में लगाई गईं चीनी मिलों का जिक्र किया और कहा कि सपा, बसपा के शासन में चीनी मिलें बंद करा दी गईं। प्रियंका गांधी ने महिलाओं, किसानों की बात की और इसके साथ ही अजय मिश्र टेनी को मंच पर साथ खड़ा करके दूरबीन लेकर बाहुबलियों को ढूंढने वाले अमित शाह पर तंज कसा कि आपको दूरबीन की नहीं चश्मे की जरूरत है।

चुनावी रैलियों में इस तरह के वादे, विपक्षियों पर तंज, पीड़ितों के साथ सहानुभूति सभी नेता करते हैं। लेकिन गोरखपुर की रैली में प्रियंका गांधी राजनीति में एक नया चलन बनाती नजर आईं। उन्होंने भारत को आस्थाओं का देश बताते हुए कहा कि हम अपने धर्म, अपनी धरती, अपने देश और अपने नेताओं पर आस्था रखते हैं। यहां धर्म, धरती, और देश के साथ नेताओं को जोड़कर प्रियंका गांधी ने ये संदेश दिया कि राजनीति महज वादे करने और सत्ता सुख भोगने का नाम नहीं है, बल्कि इसमें जनता के प्रति जिम्मेदारी सबसे पहले होती है। जब नेता इस जिम्मेदारी को निभाते हैं तो वो लोगों की आस्था का सम्मान करते हैं और उनकी आस्था का पात्र बनते हैं। जब भाजपा सबका साथ, सबका विकास की बात करते हुए सड़क पर नमाज पढ़ने को चुनावी मुद्दा बनाती है, जब किसानों की भलाई का दावा करने के बावजूद उन्हें धमकाने वाले को न केवल मंत्री बनाए रखती है, बल्कि मंच पर साथ रखती है, जब महंगाई और बेरोजगारी का जिक्र न करके विकास के दावे करती है, तो ऐसे में लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ होता है।

प्रियंका गांधी ने किसी सधे हुए राजनेता की तरह यह बात गोरखपुर की रैली में लोगों को समझा दी। इसके साथ ही उन्होंने अपनी दादी की तरह सख्त तेवर दिखाते हुए उन पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाने वालों को जवाब दिया कि मर जाऊंगी, लेकिन बीजेपी से मिलावट नहीं करूंगी।

प्रियंका गांधी की सक्रियता से उत्तरप्रदेश में भाजपा और बाकी दल पहले ही परेशान हैं। पिछले दो सालों में प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश के प्रभारी के तौर पर पूर्वांचल से लेकर पश्चिम उत्तर प्रदेश और तराई से लेकर बुंदेलखंड तक के पूरे इलाके को नाप डाला है। प्रियंका गांधी सोनभद्र से लेकर हाथरस, उन्नाव, आगरा, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, लखीमपुर, बनारस और ललितपुर होते हुए गोरखपुर पहुंच चुकी हैं और लगातार पीड़ितों के साथ खड़ी दिखाई दे रही हैं। उनकी इस सियासी परिक्रमा से कांग्रेस से जनता का रिश्ता नए सिरे से बन रहा है। इसका कितना लाभ इन चुनावों में मिलेगा, ये अभी कहना कठिन है, लेकिन 2024 तक कांग्रेस के लिए मजबूत जमीन तैयार हो जाएगी, ऐसा अभी दिखाई दे रहा है।

लड़ती दिख रही कांग्रेस ने मोदी की कम विपक्ष की नींद ज्यादा उड़ाई

भाजपा यही चाहती है कि विपक्ष बिना राहुल के हो। अगर कांग्रेस सहित हो तो जी-23 वाली कांग्रेस के साथ। जो मोदीजी की ताकत को ठीक से पहचानती है। उनकी प्रशंसा करती है। राहुल नहीं जो मोदी को कदम-कदम पर चुनौती देता हो। इसीलिए इस बार प्रशांत किशोर से कहलवाया गया कि राहुल बेवजह मोदी से लड़ रहे हैं। हो सकता है वे मोदी को हरा दें। मगर इससे भाजपा कहीं नहीं जाने वाली। कांग्रेसियों को प्रशांत किशोर का आभारी होना चाहिए कि उसने पार्टी से बाहर रहते हुए यह कहा। अगर पार्टी में आकर यह सब कहता तो क्या होता? जी-23 वाकई जी-23 प्लस हो जाता। और शायद एकाध और चिट्ठी सोनिया गांधी को लिख दी जाती कि प्रधानमंत्री मोदी की ताकत को स्वीकार करो। उन्हें कम करके आंकना बंद करो या शायद यह भी लिखा जा सकता था कि उनका नेतृत्व स्वीकार करो! मगर शायद प्रशांत किशोर ने पार्टी में शामिल होना स्वीकार नहीं किया। वरना उसे कांग्रेस में लाने के लिए जिस तरह उच्च स्तरीय तैयारियां दिख रहीं थीं उससे तो लगता था जैसे कोई ट्रंप का इक्का रहा हो। जिसका कोई काट किसी के पास न हो। वह आया और जैसा कि नेपोलियन के बारे में कहा जाता है- छा गया।

पता नहीं कि यह किस की सलाह थी कि प्रशांत किशोर को पार्टी में लाओ। हो सकता है कोई भाजपा से प्रभावित हो जिसने कहा हो कि बाजी हमेशा बाहरी व्यक्ति ही आकर पलटता है। भाजपा के पक्ष में तो यह बात सही है कि उसके लिए हमेशा ही बाहर से आकर किसी ने रास्ता हमवार किया है। 1967 में लोहिया ने, 1977 में जेपी ने, 1989 में वीपी सिंह ने और 2014 में अन्ना हजारे ने। मगर

क्या कांग्रेस के पक्ष में यह संभव था? पता नहीं। मगर कांग्रेस में यह बात किसी को अपील कर गई होगी कि अगर ऐसा है तो एक आदमी हम भी ले आते हैं। कांग्रेसियों को ऐसे निराले आइडिए खूब पंसद आते हैं। आज जिस ईवीएम पर यह सवाल उठा रहे हैं उसे ये ही लाए थे। नोटा जो सबसे ज्यादा इन्हीं के खिलाफ उपयोग हुआ है और आज जिसे सब एक निरर्थक और एवंई चीज मानते हैं, कांग्रेसियों ने ही बड़े लोकतांत्रिक सिद्धांत की तरह पेश किया था। आरटीआई जिसने खुद यूपीए सरकार की नाक में दम कर दिया था और उसके नाम पर कई लोग बड़े एक्टिविस्ट और पुरस्कार विजेता बन गए थे का आज कोई नामलेवा भी नहीं है, कांग्रेस का ही आदर्शवाद था। बहुत सारे उदाहरण हैं कि कांग्रेसी कैसे हवा में उड़ते तीर के सामने अपना सीना लाकर घायल हो जाते हैं। तो इस बार भी वे प्रशांत किशोर को खुद पर दो-चार चोट खाने के लिए अपना बनाने को बेताब थे। मगर वह कोई हवा का झोंका ही आया कि यह तीर खुद से ही दूर होकर निकल गया वरना कांग्रेसी तो अपनी सीना छलनी कराने को तैयार बैठे थे।

वह जो पुरानी कहावत है कि कांग्रेस को दुश्मन की जरूरत नहीं है। वह स्वयं इतनी समर्थ है कि खुद ही अपने आपको पर्याप्त नुकसान पहुंचा सकती है, यहां बहुत सही लगती है। प्रशांत किशोर को शामिल करने के लिए क्या नहीं हुआ था? कांग्रेस अध्यक्ष के लेबल पर कई मीटिंगें हो गईं थीं। महासचिवों और वरिष्ठ नेताओं के स्तर पर इस बात पर चर्चा हुई कि उन्हें क्या दिया जाए। और प्रशांत किशोर की राहुल और प्रियंका से इस बारे में मुलाकात हो गई थी। लग रहा था कोई तूफान आने वाला है। जो आते ही सत्तारुढ़ भाजपा को उड़ा ले जाएगा। मगर तूफान तो आया लेकिन इधर ही मुड़ गया। कांग्रेसियों को बता गया कि अभी कई साल तक भाजपा जाने वाली नहीं है। और राहुल की जो सबसे बड़ी गलती है वह यह कि वे मोदी की ताकत को स्वीकार नहीं कर रहे। मतलब राहुल को मोदी का नेतृत्व मान लेना चाहिए। कितना बुद्धिमान व्यक्ति है यह प्रशांत किशोर। बांस को ही खत्म कर रहा था। कहां से बजेगी बांसुरी! राहुल ही अगर मोदी को मान जाएं तो कहानी खत्म। कौन देगा फिर मोदी को चुनौती? बाकी विपक्ष जो है वह खुद को मुख्य विपक्ष कहने में तो सबसे आगे रहता है मगर सड़क पर कहीं नहीं दिखता। सड़क पर तो आज लखीमपुर से लेकर ललितपुर बुंदेलखंड तक प्रियंका गांधी और राहुल ही दिखते हैं। या इससे पहले चाहे मजदूरों का पलायन हो, किसान की बात हो, हाथरस हो या भट्ठा परसोल हो राहुल ही लड़ते हुए पुलिस के धक्के खाते, गिरते, उठते और संघर्ष करते दिखते रहे। भाजपा यही चाहती है कि विपक्ष बिना राहुल के हो। अगर कांग्रेस सहित हो तो जी-23 वाली कांग्रेस के साथ। जो मोदीजी की ताकत को ठीक से पहचानती है। उनकी प्रशंसा करती है। राहुल नहीं जो मोदी को कदम-कदम पर चुनौती देता हो। इसीलिए इस बार प्रशांत किशोर से कहलवाया गया कि राहुल बेवजह मोदी से लड़ रहे हैं। हो सकता है वे मोदी को हरा दें। मगर इससे भाजपा कहीं नहीं जाने वाली। भाजपा कई दशक तक बनी रहने वाली है। गोवा में दिया यह बयान बेसिकली राहुल की हिम्मत तोड़ने के लिए और कांग्रेसियों को उकसाने के लिए है। राहुल पर इसलिए हमला कि आज भी अगर कांग्रेस और भाजपा में कोई अंतर पैदा कर रहा है तो वे राहुल गांधी ही हैं। यह राहुल का ही साहस था जिन्होंने त्रिपुरा के हमलों पर इतना खुल कर बयान देकर दुनिया में भारत का मान बढ़ाया। पूरे विश्व में जहां भी अल्पसंख्यकों पर हमले होते हैं वहां की सरकारें इसके खिलाफ कार्रवाई करती हैं। आवाज उठाती हैं। अभी बांग्लादेश में वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने, उससे पहले अमेरिका में ब्लैकों के खिलाफ हमले पर वहां के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आवाज उठाई। मगर यहां सरकार खामोश रही तो विपक्ष ने आवाज उठाई। विपक्ष मतलब राहुल गांधी। लेकिन यही बात बाकी विपक्षी दलों को पसंद नहीं है। वे आवाज भी नहीं उठाएंगे लेकिन अगर राहुल बोलेंगे तो कहेंगे कि कांग्रेस और भाजपा एक ही है। अखिलेश यादव यूपी में यही कहने लगे हैं। शनिवार को उन्होंने कहा कि हम समाजवादियों का मानना है कि जो कांग्रेस है वही भाजपा है और जो भाजपा है वही कांग्रेस है। दोनों एक ही हैं। यह वही बयान है जो रोज मायावती जी देती हैं। मायावती जी वैसे तो कहीं जाती नहीं हैं। बोलती नहीं हैं मगर कभी-कभी जब मजबूरी में उत्तरप्रदेश की योगी सरकार के बारे में कुछ बोलना पड़ता है तो साथ में कांग्रेस को भी मिला लेती हैं कि कांग्रेस ने भी यही किया।

दिल चुरा कर न हमको

दिल चुरा कर न हमको
बुलाया करो
गुनगुना कर न गम को
सुलाया करो,

दो दिलों के मिलन का
यहां है चलन
खुद न आया करो तो
बुलाया करो,
रंग भी गुल शमा के
बदलने लगे
तुम हमीं को न कस्में
खिलाया करो,

सर झुकाया गगन ने धरा
मिल गई
तुम न पलकें सुबह तक
झुकाया करो,
सिंधु के पार को चांद
जांचा करे
तुम न पायल अकेली
बजाया करो,

मन्दिरों में तरसते उमर
बिक गई
सर झुकाते झुकाते कमर
झुक गई,
घूम तारे रहे रात की नाव
में
आज है रतजगा प्यार के
गांव में

दो दिलों का मिलन है यहां
का चलन
खुद न आया करो तो
बुलाया करो,
नाचता प्यार है हुस्न की
छांव में
हाथ देकर न उंगली छुड़ाया
करो

कौन सी नदी बदलती रहती है अपना रंग ?

किसी भी लेवल की कॉम्पिटिटिव एग्जाम में जनरल नॉलेज के प्रश्न अवश्य पूछे जाते हैं. विगत कुछ सालों के इंटरव्यू और लिखित परीक्षा पर दृष्टि डालें तो अधिकतर प्रश्न सामाजिक विज्ञान, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, खेलकूद, देश विदेश की बड़ी घटनाओं तथा हमारे आसपास की चीजों से जुड़े होते हैं. इंटरव्यू राउंड में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों से इंटरव्यू लेने वाले अफसर अक्सर प्रश्नों को ऐसे घुमा कर पूछते हैं कि उत्तर देने में वक़्त लगता है या जल्दबाजी के चक्क र में गलत जवाब दे दिया जाता है. जनरल नॉलेज विषय को लेकर युवाओं में अक्सर डर की स्थिति देखी जाती है. इस विषय में कब कहां से प्रश्न पूछ लिया जाए यह तय नहीं होता. यही कारण है कि इंटरव्यू राउंड में इससे अधिक प्रश्न पूछे जाते हैं. यहां ऐसे ही कुछ ट्रिकी प्रश्नों के बारे में बताएंगे जो अक्सर परीक्षाओं में पूछे जाते हैं।

सवाल- कौन सी नदी अपना रंग बदलती रहती है?

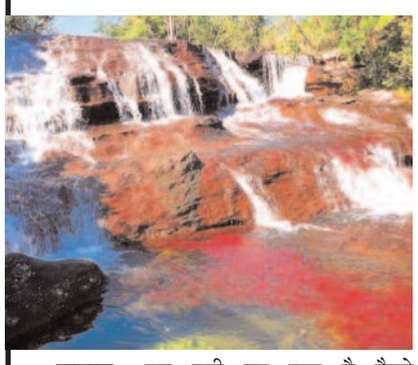

जवाब- इस नदी का नाम है कैनो क्रिस्टल्स, जो कोलंबिया में बहती है. इस नदी की खासियत ऐसी है कि यह हर मौसम के साथ अपना रंग बदलती हैं।

सवाल- टीपू सुल्तान किस युद्ध में शहीद हुए थे?

जवाब- यह एक ट्रिकी सवाल है इसका जवाब है- टीपू सुलतान अपने आखिरी युद्ध में शहीद हुए थे.

सवाल- भारत का राष्ट्रीय पेय क्या है?

जवाब- 17 अप्रैल 2013 को चाय भारत का राष्ट्रीय पेय घोषित किया गया.

सवाल- पकौड़ों को इंग्लिश में क्या कहते हैं?

जवाब- पकौड़े को इंग्लिश में Fritters कहते हैं. हालांकि ये वर्ड सभी प्रकार के पकौड़ों के लिए प्रयोग होता है बस इसके आगे आपको आलू या प्याज का इंग्लिश नेम लिखना होता है जैसे - Potato Fritters Or Onion Fritters।

सवाल-चांद पर खेला जाने वाला प्रथम खेल कौन सा था?

जवाब- 1971 में 6 फरवरी को अपोलो-14 ने चांद की सतह को छुआ था। इस मिशन पर गए अंतरिक्षयात्री एलेन शेफर्ड गोल्फर थे और वो इस मिशन पर अपने साथ गोल्फ स्टिक और गोल्फ की गेंदें भी लेकर गए थे.

सवाल- सौरमण्डल का जन्मदाता किसे कहा जाता है?

जवाब- सूर्य को।

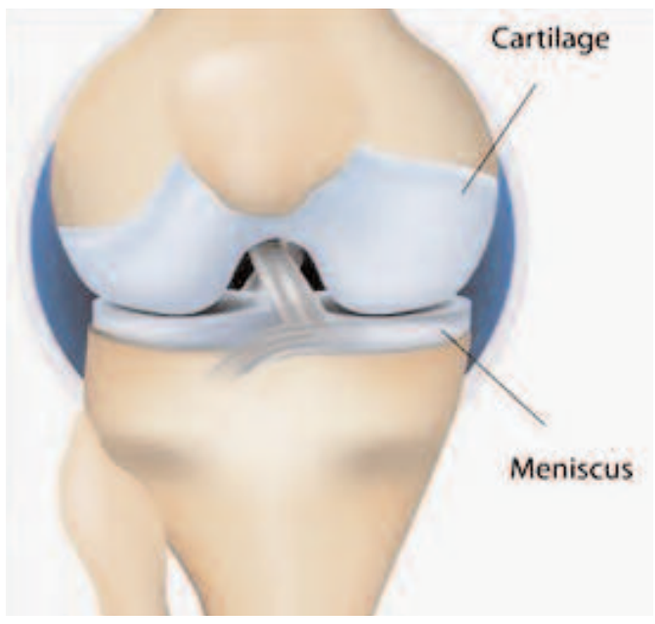

सवाल- घुटने की कटोरी का साइंटिफिक नाम क्या है?

जवाब- घुटने की कटोरी का साइंटिफिक नाम पटेला है।

सवाल 3- ऐसा कौन सा फूल है जिसका वजन 10 किलो तक होता है?

जवाब- रेफ्लेसिया. (रेफ्लेशिया फूल मुख्य रूप से मलेशिया और इंडोनेशिया में पाया जाता है)

सवाल- सोते ही समय क्यों आते हैं सपने?

जवाब- वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, सोते समय में हर व्यक्ति दो-तीन बार सपने देखता है. कुछ उसे याद रहती हैं तो कुछ भूल जाते हैं. सोते समय व्यक्ति की जो मानसिक स्थिति होती हैं, उसी से जुड़े सपने दिखाई देते हैं.

इस तरह की बीमारियों में बेहद ही फायदेमंद होता है आंवले का सेवन

विटामिन-सी से भरपूर आंवला किसी चमत्कारी बूटी से कम नहीं। आंवला 100 रोगों की एक दवा हैं, इसमे पोटासियम ,कार्बोहायड्रेट ,फाइबर ,प्रोटीन्स ,विटामिन्स 'ए','बी काम्प्लेक्स ,मैग्नीशियम ,विटामिन 'सी' ,आयरन,विटामिन 'सी' भरपूर मात्रा में पाया जाता हैं। आंवला में भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट पाया जाता हैं सदियों पहले चरक ऋषि ने इसकी महत्ता बताई थी, आंवले के उपयोग से हम हमेशा जवान और सुंदर व स्वस्थ शरीर वाले होते हैं।आंवला सभी रोगों का अचूक औषधि हैं।

1 रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।

2 आंवला के सेवन से पुरुषो में शुक्राणु की क्रियाशीलता और मात्रा बढती हैं और महिलाओं में अंडाणु अच्छे और स्वस्थ बनते हैं, माहवारी नियमित हो जाती हैं।

3 पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में दिनों में पथरी गल जाएगी।

4 आंवला आँखों की दृष्टी को या ज्योति को बढाता हैं. मोतियाबिंद में, कलर ब्लाइंडनेस, रतोंधी या कम दिखाई पड़ता हो तो भी आंवला का जूस फायदेमंद हैं. आखों के दर्द में भी काफी फायदा होता हैं।

5 आंवला सेवन से तनाव में आराम मिलता हैं, अच्छी नींद आती हैं,आवला के तेल को बालों के जड़ों में लगाया जाये तो कलर ब्लाइंडनेस से छुटकारा मिलता हैं, बाल काले और मज़बूत होते है। नियामित आवंला के प्रयोग से गंजे सर में भी नए बाल उगने लगते है।

क्या आपके शरीर में भी है खून की कमी, तो इस चीज का करें सेवन

नाशपाती एक बहुत ही स्वादिष्ट फल होती है। यह हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। इसमें भरपूर मात्रा में खनिज पोटेशियम, विटामिन सी, विटामिन के, फिनालिक कंपाउंड, फोलेट, फाइबर, कॉपर, मैगनीज, मैग्नीशियम के साथ-साथ बी कांपलेक्स भी मौजूद होते हैं। जो स्वस्थ रहने में मदद करते हैं। आज हम आपको नाशपाती के कुछ फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

1- अगर आपके शरीर में खून की कमी है तो रोजाना नाशपाती का सेवन करें। नाशपाती में भरपूर मात्रा में आयरन मौजूद होता है जो खून की कमी को दूर करने में मदद करता है।

2- नाशपाती शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। इसमें फाइबर और पेक्टिन जैसे तत्वों की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो इम्युनिटी पावर को मजबूत बनाने का काम करते हैं। रोजाना नाशपाती का सेवन करने से कब्ज की समस्या भी दूर हो जाती है।

3- नाशपाती में बोरान नाम का रासायनिक तत्व मौजूद होता है जो शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने का काम करता है। रोजाना नाशपाती का सेवन करने से हड्डियां मजबूत हो जाती हैं।

38 वर्षीय चिम्पैंजी से रोज़ मिलने जाती थी महिला, बोली- 'हम एक-दूसरे से प्यार करते हैं'

बेल्जियम में एक महिला को एक चिड़ियाघर में एक चिम्पैंजी को देखने जाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। दरअसल, 'श्रश प्रशासन को संदेह है कि इन दोनों का अफेयर था। उक्त महिला ने खुद चिम्पैंजी के साथ अफेयर होने की बात स्वीकारी है। एडी टिमरमैन्स नामक महिला अक्सर, बेल्जियम के ऐंटवर्प चिड़ियाघर में जाया करती थी। महिला चिड़ियाघर में एक 38 वर्षीय चिम्पैंजी से मिलती थीं। वो पिछले 4 साल से निरंतर चिम्पैंजी से मिल रही हैं। महिला ने बताया था कि उनके और चिम्पैंजी के बीच एक मजबूत रिश्ता बन गया है और वो दोनों एक-दूसरे से प्यार करते हैं।'श्रश के अधिकारियों का कहना है की चिटा नाम के चिम्पैजी से अब उस महिला को मिलने नहीं दिया जाएगा। साथ ही चिम्पैंजी को दूसरे चिम्पैंजियों से अलग रखा गया है।'श्रश प्रशासन के फैसले का विरोध करते हुए महिला ने कहा कि वो उस जानवर से प्यार करती हैं और चिम्पैंजी भी उनसे प्यार करता है। महिला ने कहा कि उनके बीच कुछ और नहीं है, ऐसे में ये चीज उनसे क्यों छीनी जा रही है? महिला ने कहा कि मान लीजिए हम दोनों का अफेयर भी है, तो क्या हुआ? उन्होंने कहा कि जब बाकी के लोगों को कॉन्टैक्ट बनाने की अनुमति मिल सकती है, तो उन्हें क्यों नहीं? वहीं, 'श्रश के अधिकारियों का कहना है कि पशु के हित में उन्होंने ये कदम उठाया है। एक अधिकारी ने बताया कि मनुष्य के साथ अधिक नजदीकी बढ़ाने वाले पशु को, उसके साथी पशु नज़रअंदाज़ करने लगते हैं, इसीलिए हम चाहते हैं कि चिम्पैंजी, एक चिम्पैंजी ही बना रहे।'श्रश में पर्यटक दिन के समय ही आते हैं, बाकी के 15 घंटे उसे अपने साथी जानवरों के साथ ही बिताना है। यह चिम्पैंजी अकेला बैठा रहता था। अधिकारियों ने कहा कि लोगों से जानवरों की नजदीकी से वो खुश हैं, मगर यहाँ पशु हित पहले आता है।

100 करोड़ वसूली का मामला

5 बार समन के बाद ईडी ऑफिस पहुंचे अनिल देशमुख, पत्नी-बेटा भी जल्द हाजिर हो सकते हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

100 करोड़ की वसूली मामले में आरोपी महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख आखिरकार सोमवार सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर अचानक प्रवर्तन निदेशालय ऑफिस पहुंच गए। देशमुख को ईडी ने 5 बार पूछताछ के लिए समन किया था, लेकिन हर बार उनके वकील इंद्रपाल सिंह ही ईडी ऑफिस पहुंचे थे। उनकी दलील थी कि देशमुख 75 साल के हैं और महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से वे पेश नहीं हो सकते। ईडी 100 करोड़ की वसूली मामले में मनी लॉन्ड्रिंग एंगल की जांच कर रही है। देशमुख के साथ उनके बेटे ऋषिकेश देशमुख और पत्नी को दो बार पूछताछ के लिए तलब किया गया था, लेकिन वे भी ईडी ऑफिस नहीं पहुंचे थे। माना जा रहा है कि देशमुख के बाद आज या कल तक उनके बेटे और पत्नी भी ईडी के सामने हाजिर हो सकते हैं।

पेशी के बाद देशमुख ने वीडियो मैसेज जारी किया

ईडी के सामने पेश होने के बाद देशमुख के सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट हुआ है। इसमें देशमुख ने कहा- जब-जब ईडी ने समन किया, मैंने उनका सहयोग किया है। मैंने पहले ही कहा था कि मेरी याचिकाएं हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। इसके निस्तारण के बाद मैं ईडी ऑफिस आऊंगा। दो बार सीबीआइ ने मेरे यहां रेड की, उसमे भी मैंने उन्हें पूरा कॉपरेट किया। अभी भी सुप्रीम कोर्ट में मेरा फैसला आया नही है, लेकिन मैं खुद ही ईडी दफ्तर आया हूं। मेरे ऊपर परमवीर सिंह ने गलत आरोप लगाए थे। आज वही परमवीर सिंह विदेश भाग गए हैं, ऐसी खबर मीडिया के माध्यम से आ रही हैं। उन्ही परमवीर सिंह के खिलाफ पुलिस विभाग में कई शिकायतें दर्ज हुई हैं।

ईडी ने जब्त की थी देशमुख की दो प्रॉपर्टी

इसी मामले में 15 दिन पहले देशमुख और उनके परिवार की 4.2 करोड़ रुपए की संपत्ति को जब्त किया गया था। इसमें नागपुर का एक फ्लैट और पनवेल की एक जमीन शामिल है। इसी मामले में देशमुख के क्लर्क संजीव पलांडे और ड्राइवर कुंदन शिंदे को अरेस्ट किया था, दोनों फिलहाल केंद्रीय एजेंसी की कस्टडी में हैं।

परमबीर सिंह के आरोप के बाद शुरू हुई है जांच

यह मामला देशमुख पर लगे वसूली के आरोपों से जुड़ा है। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने करीब ढाई महीने पहले राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया था कि अनिल देशमुख ने ही मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वझे को हर महीने 100 करोड़ रुपए की वसूली का टारगेट दिया था। इसी से जुड़े मामले में सीबीआइ ने रविवार को पहली गिरफ्तारी की थी। सेंट्रल एजेंसी ने ठाणे से संतोष शंकर जगताप नाम के शख्स को पकड़ा है। फिलहाल वह चार दिन की कस्टडी में है। जगताप को अनिल देशमुख का मिडलमैन बताया जा रहा है। सीबीआइ ने कुछ दिन पहले कुछ कॉन्फिडेंशियल डॉक्युमेंट्स लीक मामले में अनिल देशमुख के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी।

वकील ने कहा था- सनसनी फैलाने लगाए आरोप

इससे पहले वकील के जरिए भेजे एक पत्र में देशमुख ने उनके मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने का हवाला दिया था। अनिल देशमुख ने ईडी को लिखे अपने पत्र में जांच एजेंसी द्वारा अपनी ताकत और अधिकारों का गलत इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि अभी तक मुझे श्वष्टङ्कक्र की कॉपी ईडी की तरफ से या कोई भी दस्तावेज नहीं दिए गए हैं। जिससे साफ होता है कि यह समन केवल मीडिया में सनसनी फैलाने के लिए भेजा गया है।

सीबीआइ भी कर रही है देशमुख की जांच

मुंबई पुलिस के पूर्व पुलिस आयुक्त और वर्तमान में होम गार्ड ष्ठत्र परमबीर सिहं ने अनिल देशमुख पर 100 करोड़ रुपये की वसूली का आरोप लगाया है, जिसके लिए अनिल देशमुख को महाराष्ट्र के गृहमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस मामले में देशमुख के खिलाफ पहले सीबीआइ ने केस दर्ज किया था और फिर उसमें मनी ट्रेल की जानकारी मिलने के बाद ईडी की एंट्री हुई।

50 फीसदी क्षमता के साथ दिल्ली में आज से खुले स्कूल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देशभर में कोरोना संक्रमण के मामले कम होने के साथ अब पाबंदियों में ढील दी जाने लगी है। इसी क्रम में दिल्ली में आज से 50 फीसदी क्षमता के साथ स्कूल फिर खुले हैं। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने छात्रों को संक्रमण से बचाने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (स्क्वक) जारी की है। सभी छात्रों और स्कूल स्टाफ को इसका पालन करना होगा। ष्ठष्ठक्र ने दिल्ली के सभी स्कूलों को 50 फीसदी क्षमता के साथ खोलने की अनुमति दी है। SOP में स्कूलों से कहा गया है कि स्कूलों को बुनियादी COVID-19 सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने होंगे। इनमें मास्क पहनना, सैनिटाइजर का इस्तेमाल, सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखना और यहां तक कि थर्मल स्क्रीनिंग भी शामिल है।

केरल में भी आज से स्कूल खुले:- केरल में 1 से 7वीं कक्षा, 10वीं और 12वीं की कक्षाओं के लिए आज से स्कूल खोले गए हैं। यहां भी दिल्ली की तरह ही कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा है कि राज्य में 18 साल से ज्यादा की 95 फीसदी आबादी वैक्सीनेट हो चुकी है। इन्हें वैक्सीन का कम से कम एक डोज दिया जा चुका है।

कानपुर में जीका के 6 और मरीज मिले

क्क के कानपुर में जीका वायरस के 6 और केस मिले हैं। इसमें 4 महिलाएं और 2 पुरुष हैं। सभी सिविलियन हैं। इससे पहले शनिवार को 3 एयरफोर्स कर्मियों में जीका वायरस की पुष्टि हुई थी। अब यहां कुल केस की संख्या 10 हो चुकी है। शासन के निर्देश पर शहर में स्वास्थ्य विभाग ने सक्रियता बढ़ा दी है। मरीजों के घर के आसपास एंटी लार्वा छिड़काव और लक्षण-बचाव के पोस्टर चिपकाए गए हैं।

नदिया जिले में काली पूजा से पहले एक कार्यशाला में राक्षसों के चेहरे को रंगता एक कारीगर

एक और अप्रूवल:कोवैक्सिन के दोनों डोज लगवाने वाले सर्टिफिकेट के साथ ऑस्ट्रेलिया जा सकेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

स्वदेशी वैक्सीन कोवैक्सिन को ऑस्ट्रेलिया में ट्रैवल अप्रूवल मिल गया है। यानी, अब कोवैक्सिन लगवाने वाला कोई भी भारतीय वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया जा सकेगा। उसे 14 दिन क्वारैंटाइन नहीं होना पड़ेगा। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने यह फैसला कोवैक्सिन पर होने वाली WHO की बैठक के ठीक 2 दिन पहले हुआ है। 3 नवंबर को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मीटिंग होने वाली है। कोवैक्सिन बनाने वाली भारत बायोटेक कंपनी को उम्मीद है कि इस बैठक में WHO उनकी वैक्सीन को इमरजेंसी अप्रूवल दे देगा। हैदराबाद की कंपनी भारत बायोटेक ने वैक्सीन को अप्रूवल के लिए 19 अप्रैल को WHO को अर्जी दी थी। बता दें कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कोवैक्सिन के 2 डोज लगवाए हैं।

चीन की वैक्सीन को भी मंजूरी

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय कोवैक्सिन के साथ-साथ चीनी कंपनी सिनोफॉर्म की BBIBP-CorV वैक्सीन को भी अप्रूवल दिया है। ऑस्ट्रेलिया में अब भारत और चीन दोनों ही देशों की 2-2 वैक्सीन को अप्रूवल मिल चुका है। इसमें भारत की कोवीशील्ड और कोवैक्सिन तो चीन की सिनोवेक और सिनोफॉर्म शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

फिर ट्रैक्टर मार्च की चेतावनी:राकेश टिकैत बोले- 26 नवंबर तक मांगें माने सरकार, वरना किसान दिल्ली को चारों तरफ से घेरेंगे

नई दिल्ली। किसान आंदोलन के बीच दिल्ली के बॉर्डर खोलने को लेकर सरकार की मनमर्जी पर किसानों के रुख में तल्खी नजर आने लगी है। नवंबर 2020 से शुरू हुए आंदोलन का सालभर पूरा होने पर किसान अपना आंदोलन तेज करने की तैयारी में हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि सरकार ने मांगें नहीं मानीं, तो किसान इस बार ट्रैक्टरों के साथ दिल्ली को चारों तरफ से घेरेंगे। राकेश टिकैत ने ट्वीट में लिखा कि केंद्र सरकार के पास 26 नवंबर तक का समय है। उसके बाद 27 नवंबर से किसान गांवों से ट्रैक्टरों पर सवाल होकर दिल्ली के चारों ओर बॉर्डरों पर जारी आंदोलन स्थल की तरफ चलना शुरू करेंगे। इस बार पक्की किलेबंदी की जाएगी और आंदोलन स्थल पर तंबुओं को मजबूत किया जाएगा। पिछले सप्ताह सरकार और किसानों के बीच 3 दिन तक बातचीत हुई थी। इसके बाद सड़क की बैरिकेडिंग हटाकर 5 फीट चौड़ा रास्ता दिया गया है। दोनों तरफ से ढाई-ढाई फीट की दो लाइनें खोली गई है। इनसे पैदल और बाइक सवार ही निकल सकेंगे। साथ ही एंबुलेंस को भी निकाले जाने की बात भी किसानों ने मानी है। सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक इस रास्ते पर आना-जाना किया जा सकेगा। किसानों को रोकने लगाए गए थे बैरिकेड केंद्र सरकार के 3 नए कृषि कानूनों के विरोध में नवंबर 2020 से दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का आंदोलन चल रहा है।

ब्रिटेन के सैलिसबरी शहर में फिशर्टन टनल पर दो ट्रेनें टकरा गईं। इस हादसे में कई लोग घायल हो गए। किसी की मौत नहीं हुई है। ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस ने बताया कि कई घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ लोगों को हल्की चोटें आई हैं। डोरसेट और विल्टशायर फायर एंड रेस्क्यू सर्विस ने कहा कि दमकल विभाग की करीब 50 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। परिवहन सचिव ग्रांट शाप्स ने ट्वीट किया कि घटना की जांच की जाएगी।

तालिबान की गुहार:हमारा पैसा रिलीज करे अमेरिका, अफगान सेंट्रल बैंक का रिजर्व अनफ्रीज किया जाए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से देश के बैंक रिजर्व को अनफ्रीज करने की अपील की है। तालिबानी सरकार ने इसके लिए देश में खड़े हुए मानवीय संकट को रोकने का हवाला दिया है। दरअसल, इसी साल अगस्त में अफगानिस्तान की चुनी हुई सरकार का पतन हो गया और यहां की सत्ता तालिबान के हाथों में आई। इसके तुरंत बाद ही अमेरिका ने अफगानिस्तान की अरबों डॉलर की संपत्ति को फ्रीज कर दिया। तालिबान के वित्त मंत्रालय के प्रवक्ता अहमद वली हौमल ने कहा कि अफगान संपत्ति को बिना किसी शर्त के रिलीज किया जाना चाहिए। किसी देश के भंडार को फ्रीज करना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है। अफगान लोगों के खिलाफ हो रही क्रूरता का यह उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जमा किया गया पैसा इस्लामिक अमीरात की संपत्ति नहीं है, यह जरूरतमंद लोगों और व्यापारियों का धन है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार को अफगान उद्योगपतियों और व्यापारियों ने अफगानिस्तान के रिजर्व को फ्रीज करने के खिलाफ रैली निकाली। इनका कहना है कि मौजूदा गंभीर आर्थिक संकट न केवल अफगानिस्तान, बल्कि दूसरे देशों को भी नुकसान पहुंचाएगा। ऐसे में यह पाबंदी जल्द हटाई जानी चाहिए। एक उद्योगपति मोहम्मद शाहब ने कहा कि अगर देश का रिजर्व अनफ्रीज नहीं किया गया तो अपराध बढ़ेंगे। साथ ही अफीम की खेती और ड्रग्स की तस्करी भी बढ़ेगी, जिससे अफगानिस्तान और दूसरे देशों को नुकसान होगा। वहीं, मानवाधिकार कार्यकर्ता जरका यफ्ताली बैंक का रिजर्व अनफ्रीज किए जाने के खिलाफ हैं।

पान खाकर थूकने पर हत्या

कपड़ा व्यापारी ने खिड़की से पीक मारी तो नीचे खड़े युवक पर गिरी, घर में घुसकर गोली मारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बिहार

बिहार के सीवान में पान की पीक को लेकर एक युवक और कपड़ा व्यापारी में विवाद खड़ा हो गया। व्यापारी ने पान खाकर अपनी खिड़की से पीक मारी, जो युवक पर जा गिरी। युवक व्यापारी से लड़ने पहुंचा तो मामला इतना बढ़ गया कि युवक ने व्यापारी की गोली मार दी। व्यापारी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रविवार की देर रात सराय ओपी थाना इलाके के पुरानी किला पोखरा की है। वारदात के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के शामली जिले के शाहगाजीपुरा में रहने वाले नवाब हसन के बेटे एहसान मलिक के रूप में हुई है। एहसान सीवान में एक किराए के मकान में अपने अन्य साथियों के साथ रहता था। वह फेरी लगाकर कपड़े बेचता था। एहसान रविवार रात को अपने कमरे में खाना बना रहा था। उस समय वह पान भी चबा रहा था। इसी दौरान उसने खिड़की से पान थूक दिया। थूक का एक छींटा नीचे खड़े युवक पर गिर गया। इस बात पर युवक बौखलाता हुआ एहसान के कमरे में आया और गाली-गलौज करने लगा। एहसान ने विरोध किया तो उसने गोली मार दी। एहसान के साथी उसे अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सराय ओपी थानाध्यक्ष तनवीर आलम ने बताया कि पुराना किला पुखरा के निवासी 18 वर्षीय आरोपी गोलू मियां पिता जावेद मियां को गिरफ्तार कर लिया है। उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

48 घंटे में चौथी घटना, 3 की हो चुकी है मौत

सीवान में 8 घंटे के अंदर 2 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि 48 घंटे में चौथी घटना है। इसमें 4 लोगों को गोली मारी गई है। शुक्रवार की देर शाम गोरियाकोठी थाना इलाके के जगदीशपुर गांव में युवक के पेट में गोली मार दी गई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शनिवार सुबह दरौंदा थाना के कंगाली छपरा गांव में बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या दी गई। रविवार की दोपहर महराजगंज में दवा खरीद रहे अधेड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद रविवार की रात पान थूकने को लेकर गोली मार दी गई।

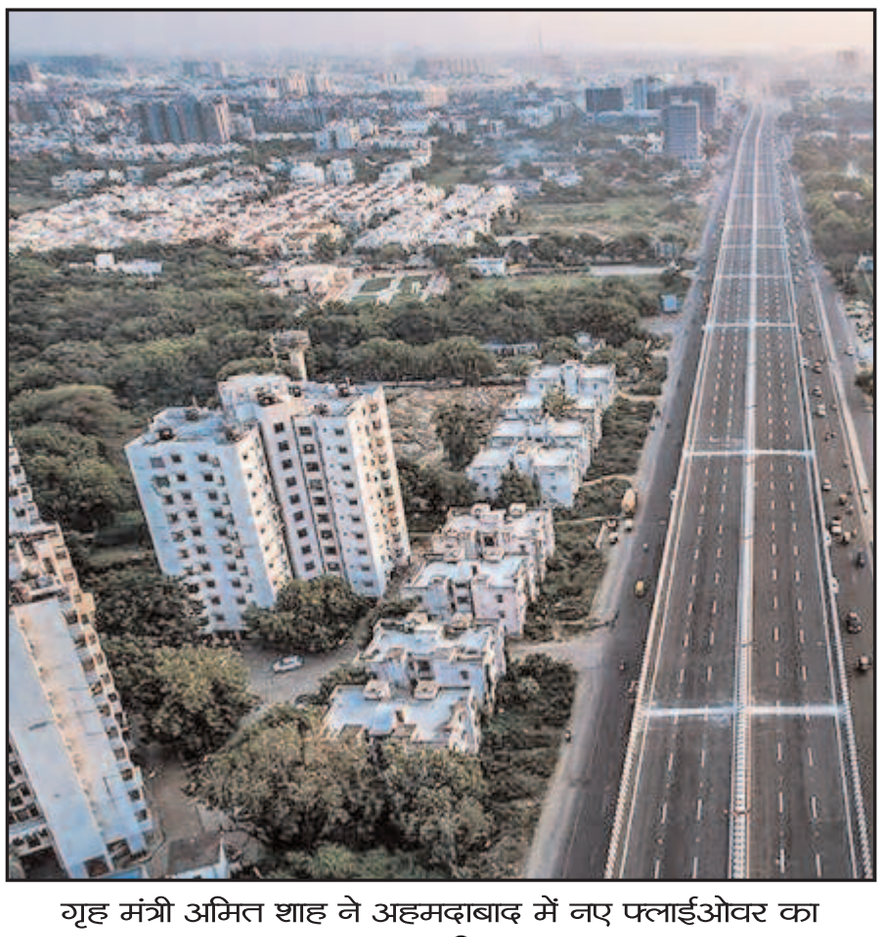

गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में नए फ्लाईओवर का उद्घाटन किया।

न्यूज ब्रीफ

ज्वेरेव ने क्वालीफायर टियाफो को हराकर पांचवां एटीपी खिताब जीता

विएना। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अर्स्टे बैंक ओपन में अमरीकी क्वालीफायर फ्रांसेस टियाफो को 7-5, 6-4 से हराकर सत्र का पांचवां और कुल 18वां एटीपी खिताब अपनी झोली में डाला। जर्मनी के चौथी रैंकिंग के खिलाड़ी ज्वेरेव इस तरह 2021 में नार्वे के कैस्पर रूड के बाद टूर पर 5 टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। ज्वेरेव ने कहा कि सत्र अभी तक मेरे लिए अविश्वसनीय रहा है। मैंने दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट - ओलिम्पिक - में जीत दर्ज की और फिर दो एटीपी 500 और दो मास्टर्स टूर्नामेंट जीते।

CSK ने किया नीरज चोपड़ा को सम्मानित, दिया इतने करोड़ रूपए का चैक

नई दिल्ली। चार बार के इंडियन प्रीमियर लीग चैंपियन (आईपीएल) चेन्नई सुपरकिंग्स ने तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को उनकी एतिहासिक उपलब्धि के लिए रविवार को एक करोड़ रुपये का चैक देकर सम्मानित किया। ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी चोपड़ा को चेन्नई सुपर किंग्स क्रिकेट लिमिटेड की ओर से यहां एक करोड़ रुपये का चैक सौंपा गया। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार सीएसके ने चोपड़ा के सम्मान में उन्हें 8758 नंबर (तोक्यो में 87.58 मीटर के स्वर्ण पदक के प्रयास के आधार पर) की जर्सी भी सौंपी। चोपड़ा अभिनव बिंद्रा के बाद भारत के सिर्फ दूसरे व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। सीएसके के सीईओ केएस विश्वनाथन ने कहा कि शानदार उपलब्धि के लिए पूरे देश को नीरज पर गर्व है। ट्रैक एवं फील्ड में स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला भारतीय बनकर उन्होंने मापदंड स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि वह अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं। 87.58 की संख्या हमेशा के लिए भारतीय खेलों के इतिहास में दर्ज हो गई है और नीरज को यह विशेष जर्सी सौंपना हमारे लिए सम्मान की बात है। पुरस्कार और विशेष जर्सी लेने के बाद 23 साल के चोपड़ा ने कहा कि पिछले दो महीने उनके लिए नई चीजों का अनुभव करने का मौका रहा। उन्होंने सीएसके प्रबंधन को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि आपके समर्थन और पुरस्कार के लिए धन्यवाद। काफी अच्छा लग रहा है।

कोहली पर भड़के दिग्गज : गंभीर ने कहा- विराट मानसिक तौर पर मजबूत नहीं, गावस्कर-शोएब बोले- रोहित का बैटिंग ऑर्डर नहीं बदलना था

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरा मैच बुरी तरह से हार गई। पाकिस्तान के खिलाफ 10 विकेट से शिकस्त के बाद न्यूजीलैंड ने भी टीम इंडिया को 8 विकेट से हरा दिया। इन दो हार के बाद कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी टीम मैनेजमेंट और कप्तान विराट कोहली पर भड़क गए हैं। गौतम गंभीर ने तो यहां तक कह दिया कि विराट मानसिक तौर पर मजबूत नहीं हैं। वहीं, सुनील गावस्कर और शोएब अख्तर ने रोहित के बैटिंग ऑर्डर को लेकर सवाल उठाए।

विराट पर भड़के गंभीर

गंभीर ने ESPN क्रिकइंफो से बात करते हुए कहा, ऐसा नहीं है कि कोहली दबाव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते पर मैं यह जरूर कहूंगा कि अब वह जरूरी मैच में प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। वह अहम मैचों में बड़ा स्कोर नहीं बना पाते शायद वह मानसिक तौर पर उतने मजबूत नहीं हैं।

रोहित शर्मा के बैटिंग ऑर्डर को लेकर उठे सवाल

टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने आज

तक के एक कार्यक्रम में कहा, %रोहित शर्मा शानदार सलामी बल्लेबाज हैं और उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में तीसरे नंबर पर भेजा गया। कोहली ने खुद नंबर 3 पर कितने रन बनाए हैं, लेकिन वे चौथे नंबर पर बैटिंग करने गए। ईशान किशन जैसे युवा खिलाड़ी से पारी की शुरुआत की गई। ईशान एक हिट-या-मिस खिलाड़ी हैं। ऐसे बल्लेबाज को नंबर 4 या 5 पर बैटिंग करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, टीम ने बताया कि रोहित शर्मा पर हमें भरोसा नहीं है। आप ट्रेंट बोल्ट को खेल नहीं सकते हैं। अगर आप अपने सलामी बल्लेबाज को, जो कई साल से इस पोजिशन पर खेल रहा है, ऐसे संदेश देते हैं तो वह भी अपनी क्षमता पर संदेह करने लगता है। अगर ईशान किशन 70 रन बना देते तो आप उसकी तारीफ करते पर जब यह दांव नहीं चला तो आपको आलोचना का सामना करना पड़ेगा।

अख्तर भी भड़के

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने ईशान किशन से पारी की शुरुआत करवाने के फैसले पर आश्चर्य जताया। उनके अनुसार रोहित शर्मा से पारी की शुरुआत करवानी चाहिए थी। अख्तर ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, %मैच तो आपने देख ही लिया। भारत की शामत तो आनी ही थी और वो आ चुकी है। वो हार चुके हैं। उन्होंने बहुत बुरी तरह से खेला है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले को देखकर नहीं लगता कि हिंदुस्तान मैच खेलने आया भी था। ऐसा लगा कि बस न्यूजीलैंड मैच खेलने आई थी।

टीम इंडिया का सेमीफाइनल में पहुंचना मुश्किल

33 गेंद पहले न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से हराया; दो करिश्मे हुए तो ही सेमी का रास्ता मुमकिन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

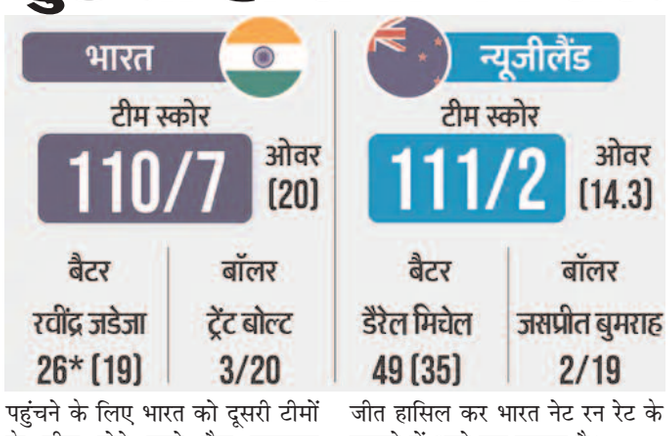

टी-20 WC के 28वें मैच में न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को बुरी तरह से शिकस्त देते हुए 8 विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले खेलते हुए टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने निराश किया और 20 ओवरों में 110/7 का स्कोर ही बना सकी। रवींद्र जडेजा 26 नाबाद टॉप स्कोरर रहे। वहीं, कीवी टीम के लिए ट्रेंट बोल्ट के खाते में 3 विकेट आए। 111 रनों के टारगेट को न्यूजीलैंड ने बहुत ही आसानी के साथ 14.3 ओवर के खेल में 2 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। टारगेट का पीछा करते हुए कीवी टीम की शुरुआत खराब रही और चौथे ओवर में जसप्रीत बुमराह ने मार्टिन गुप्टिल को 20 रन पर आउट कर टीम को पहली सफलता दिलाई। हालांकि इसके बाद डैरेल मिचेल और केन विलियम्सन ने भारत को वापसी का मौका नहीं दिया और दूसरे विकेट के लिए 54 गेंदों पर 72 रन जोड़े। मिचेल 49 का विकेट भी बुमराह ने लिया।

अब कैसे सेमीफाइनल में पहुंचेगा भारत?

अब टीम इंडिया को आने वाले तीनों मैचों में जीत हासिल करनी होगी। अगर ऐसा होता है तो भारत के 6 अंक होंगे। इस स्थिति में सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को दूसरी टीमों के बीच होने वाले मैच खासकर न्यूजीलैंड-अफगानिस्तान मैच के नतीजे पर निर्भर रहना होगा।

भारत को दुआ करनी होगी कि अफगानिस्तान की टीम भी न्यूजीलैंड को हराए, लेकिन भारत से हार जाए। इसके बाद भारत नामीबिया और स्कॉटलैंड के खिलाफ बड़े अंतर से जीत हासिल कर अपना नेट रन न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान दोनों से बेहतर कर ले। इस स्थिति में भारतीय टीम न्यूजीलैंड से हारकर भी सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

भारत के लिए अच्छी बात यह है कि उसके आखिरी दो मुकाबले स्कॉटलैंड (5 नवंबर) और नामीबिया (8 नवंबर) से हैं। दोनों टीमें कमजोर मानी जाती हैं और इनके खिलाफ बड़ी जीत हासिल कर भारत नेट रन रेट के मामले में आगे बढ़ सकता है।

भारतीय टॉप ऑर्डर ने डाले हथियार

टॉस हारकर पहले खेलते हुए भारत की शुरुआत खराब रही और तीसरे ही ओवर में ईशान किशन सिर्फ (4) रन बनाकर ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर आउट हो गए। किशन के आउट होने के बाद अगली ही गेंद पर एडम मिल्ने ने रोहित शर्मा का आसान सा कैच छोड़ दिया। छठे ओवर टिम साउदी ने केएल राहुल (18) को आउट कर टीम इंडिया को दूसरा झटका पहुंचाया। रोहित शर्मा भी शून्य पर मिले जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके और ईश सोढ़ी की गेंद पर (14) रन बनाकर आउट हुए। सोढ़ी ने अपने अगले ही ओवर में कैप्टन कोहली (9) को आउट कर भारत की कमर तोड़कर रख दी। ऋषभ पंत (12) भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे और एडम मिल्ने की गेंद पर बोल्ड हो गए। भारतीय टीम को हार्दिक पंड्या से विस्फोटक पारी की उम्मीद थी, लेकिन उनके बल्ले से 24 गेंदों पर सिर्फ 23 रन देखने को मिले। भारतीय टीम को हार्दिक पंड्या से विस्फोटक पारी की उम्मीद थी, लेकिन उनके बल्ले से 24 गेंदों पर सिर्फ 23 रन देखने को मिले। पंड्या का विकेट बोल्ट के खाते में आया। इसी ओवर में बोल्ट ने शार्दूल ठाकुर को शून्य पर आउट किया। रवींद्र जडेजा ने 19 गेंदों पर 26 रनों की नाबाद पारी खेली।

18 सालों का इंतजार बरकरार

2003 में टीम इंडिया ने आखिरी बार न्यूजीलैंड को ICC के किसी भी इवेंट में हराया था। 18 सालों से चले आ रहे इस सूखे को भारतीय टीम से इस मैच में समाप्त करने की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन आज भी भारत के हाथों निराशा लगी। पिछले वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल (2019) और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल (2021) में भारत को न्यूजीलैंड ने ही हराया था। साथ ही टी-20 WC में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की ये लगातार तीसरी हार भी रही।

बोल्ट ने विराट का मजाक उड़ाया

कोहली का कैच लेने के बाद न्यूजीलैंड के फील्डर ने इशारे से बताया- बाउंड्री तो दूर है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज शारजाह

टी-20 WC के 28वें मैच में न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को बुरी तरह से शिकस्त देते हुए 8 विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले खेलते हुए टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने निराश किया और 20 ओवरों में 110/7 का स्कोर ही बना सकी। टीम इंडिया की पारी के 11वें ओवर की पहली गेंद पर भारतीय कप्तान विराट कोहली ईश सोढी की गेंद पर बाउंड्री लाइन पर कैच आउट हुए। उनका कैच न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बोल्ट ने लिया। कैच लेने के बाद उन्होंने कोहली के साथ थोड़ी मस्ती की। दरअसल, बोल्ट ने कैच लेने के बाद दिखाया कि गेंद उनके हाथ से निकलकर बाउंड्री के पार जा रही है। ड्डष्टष्ट ने इसका वीडियो भी शेयर किया है। मैच में विराट कोहली ने 17 गेंद पर 9 रन बनाए। उनके बल्ले से एक भी चौका नहीं निकला। टारगेट का पीछा करते हुए कीवी टीम की शुरुआत खराब रही और चौथे ओवर में जसप्रीत बुमराह ने मार्टिन गुप्टिल को 20 रन पर आउट कर टीम को पहली सफलता दिलाई। हालांकि, इसके बाद डैरेल मिचेल और केन विलियम्सन ने भारत को वापसी का मौका नहीं दिया और दूसरे विकेट के लिए 54 गेंदों पर 72 रन जोड़े। मिचेल 49 का विकेट भी बुमराह ने लिया।

अब कैसे पहुंचेंगे सेमीफाइनल में?

अब टीम इंडिया को आने वाले तीनों मैच जीतने होंगे। अगर ऐसा होता है तो भारत के 6 अंक होंगे। वहीं, भारत को दूसरी टीमों के बीच होने वाले मैच, खासकर न्यूजीलैंड-अफगानिस्तान मैच के नतीजे पर निर्भर रहना होगा।

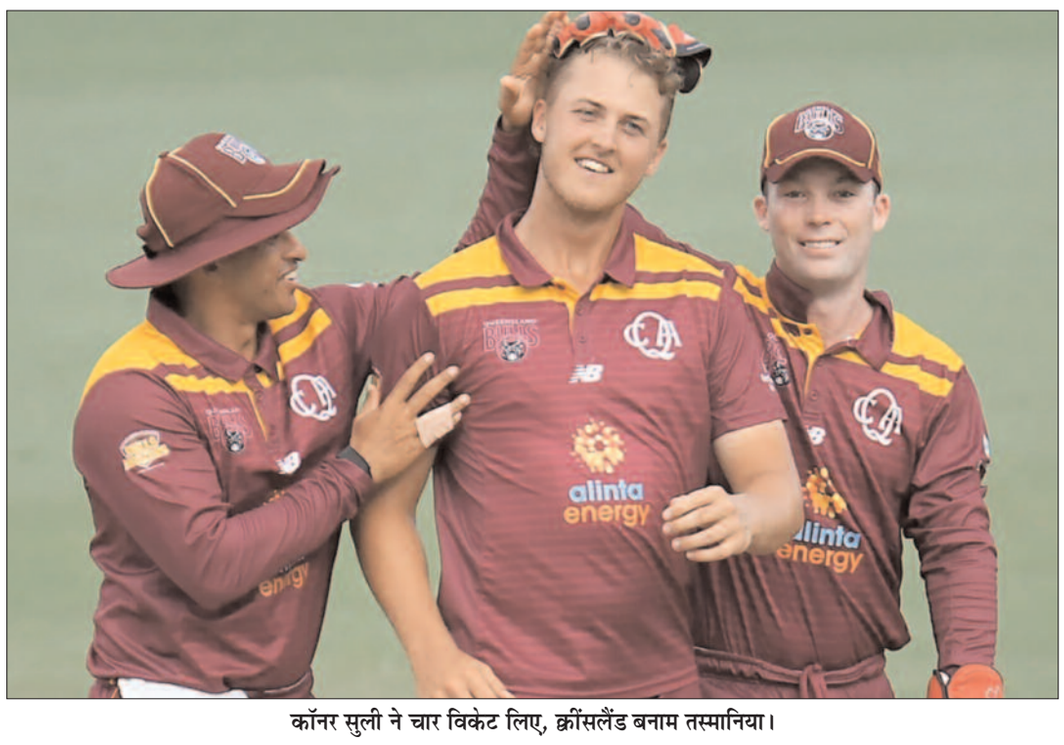

कॉनर सुली ने चार विकेट लिए, क्वींसलैंड बनाम तस्मानिया।

किस काम के मेंटर धोनी : खराब फिटनेस के बाद भी हार्दिक को टीम में बनाए रखा, दबाव अभी भी ड्रेसिंग रूम में बरकरार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप में बहुत ही उम्मीदों के साथ BCCI ने एमएस धोनी को टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में शामिल किया था। उनकी मेंटरशिप में जिस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद की गई थी, टीम इंडिया उससे उल्टा ही खेल दिखा रही है। विराट कोहली की कप्तानी में भले ही टीम इंडिया ट्रॉफी नहीं जीती, लेकिन लीग मैचों में अच्छे प्रदर्शन के साथ वह अंतिम चार में जगह बनाती रही है, लेकिन इस बार तो धोनी की मेंटरशिप में भारतीय टीम के टॉप-4 में पहुंचने के भी लाले पड़ गए हैं। पहले पाकिस्तान के हाथों शर्मनाक हार और अब न्यूजीलैंड के सामने मिली इस हार के बाद अब धोनी को आड़े हाथ लिया जा रहा है।

दबाव नहीं कर पाए दूर

धोनी को टीम से जोड़ने की बड़ी वजह यही

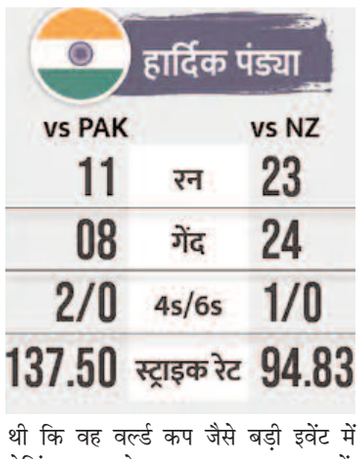

थी कि वह वर्ल्ड कप जैसे बड़ी इवेंट में ड्रेसिंग रूम को तनाव मुक्त बनाकर रखें, लेकिन पिछले दोनों मैचों में भारतीय टीम पूरी तरह से दबाव में नजर आई। ड्डष्ट के खिलाफ भारत ने 7 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए थे। उस मैच में गेंदबाजों के पास लड़ने के लिए अच्छा टारगेट था, लेकिन सभी गेंदबाज पूरी तरह से बेबस नजर आए थे। पाकिस्तान के खिलाफ हमारे बॉलर्स ने 107 गेंदों डालीं और विकेट एक भी नहीं ले सके। नतीजा 29 सालों से पड़ोसी देश के खिलाफ वर्ल्ड कप में चला आ रहा जीत का सफर दुबई में थम गया। अब बात करते हैं न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच की। भारत ने टॉस हारा और टीम को पहले बैटिंग का मौका मिला। रोहित की जगह वर्ल्ड कप में डेब्यू कर रहे ईशान किशन को ओपनिंग का मौका मिला। अब ये दबाव नहीं तो क्या है। टीम के ऊपर प्रेशर था और कप्तान कोहली ने हिटमैन की जगह ईशान को ओपनिंग के लिए मैदान पर उतार दिया और खुद नंबर-4 पर उतरे। धोनी ने ड्रेसिंग रूम में क्या किया? याद कीजिए धोनी जब खुद कप्तान हुआ करते थे, तब टीम के कॉम्बिनेशन में ऐसे फेरबदल नहीं करते थे। क्या बैटिंग ऑर्डर में चेंज करना धोनी का आइडिया था? या उन्होंने अपनी कोई राय ही नहीं दी?

हार्दिक को टीम में बनाए रखा

हाल ही में एक खबर सामने आई थी कि, ड्डष्ट फेज-2 के बाद टीम इंडिया के चयनकर्ता हार्दिक पंड्या के फॉर्म और फिटनेस से खुश नहीं थे और वो उन्हें श्व से वापस भारत भेजना चाहते थे। टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि, टीम इंडिया के मेंटर महेंद्र सिंह धोनी ने उन्हें बचा लिया। धोनी ने कहा कि पंड्या टीम इंडिया के जबरदस्त फिनिशर हैं। वो टी-20 WC में बहुत महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्हें टीम के साथ रखा जाए। इसके बाद हार्दिक भारत नहीं गए ।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

ईवी के लिए एमेजॉन, फ्लिपकार्ट से बात कर रही पियाजियो, जियो-बीपी

नई दिल्ली। इटली की वाहन कंपनी की भारतीय इकाई पियाजियो व्हीकल्स इंडिया ने कहा है कि कंपनी जियो-बीपी के साथ मिलकर एमेजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों से उनके बेड़े के एक हिस्से को इलेक्ट्रिक वाहनों में तब्दील करने के लिए बातचीत कर रही है। इसके अलावा उन्हें बिजनेस टु बिजनेस (बी2बी) मॉडल के तहत बैटरी स्वैपिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर भी उपलब्ध कराया जाएगा। यह भारत सहित एशिया और यूरोप में दोपहिया एवं तिपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की तेजी से बढ़ रही संख्या के मद्देनजर व्यापक सेवाएं तैयार करने के लिए बीपी पीएलसी और पियोजियो ग्रुप के बीच हाल में घोषित वैश्विक करार का हिस्सा है। भारत में यह करार जियो-बीपी के साथ होगा जो रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और बीपी के बीच ईंधन एवं मोबिलिटी कारोबार के लिए एक संयुक्त उद्यम है। इसके जरिये देश भर में बैटरी स्वैपिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना है। शुरुआती चरण में कंपनी की नजर दिल्ली, मुंबई, पुणे और बेंगलूरु पर होगी जबकि बाद में धीरे-धीरे करीब 20 शहरों तक उसका विस्तार किया जाएगा। वाहनों के बेड़े को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलने के लिए इसी तरह की बातचीत महाराष्ट्र के कुछ नागरिक निकायों और दिल्ली विकास प्राधिकरण के साथ भी चल रही है। पियाजियो व्हीकल्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डिएगो ग्राफी ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा, %हम जिस मॉडल का उपयोग करने जा रहे हैं वह मुख्य तौर पर बी2बी मॉडल होगा। जियो-बीपी और पियाजियो मुख्य तौर पर ई-कॉमर्स कंपनियों से संपर्क करेगी ताकि उनके बेड़े में शामिल वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदला जा सके। इस हम अपनी शुरुआत करेंगे। वाहनों की सर्विसिंग में मदद के लिए डीलरों का नेटवर्क होगा।

कई ट्रेनों के टाइम टेबल में भी हुआ बदलाव हुआ

13 हजार यात्री ट्रेनों का बदल गया है टाइम टेबल, इस महीने से हुए ये 5 बड़े बदलाव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

1 नवंबर यानी आज से कई बदलाव होने जा रहे हैं। अब से कुछ आईफोन और एंड्रॉयड फोन्स में वॉट्सऐप काम नहीं करेगा। इसके अलावा SBI ग्राहकों को वीडियो कॉल के जरिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा कराने की सुविधा मिलेगी। कई ट्रेनों के टाइम टेबल में भी हुआ बदलाव हुआ है। हम आपको 1 नवंबर से हुए ऐसे ही बदलावों के बारे में बता रहे हैं।

गैस सिलेंडर हुआ महंगा

पेट्रोलियम कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 264 रुपए की भारी बढ़ोतरी की है। अब दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर 2000.50 रुपए का हो गया है। हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा में पैसा जमा करने और निकालने पर चार्ज देना होगा

SBI ग्राहक वीडियो कॉल के जरिए जमा कर सकेंगे लाइफ सर्टिफिकेट

ट्रेनों के टाइम टेबल में हुआ बदलाव

1 नवंबर से इंडियन रेलवे ने देशभर में ट्रेनों के टाइम टेबल में बदलाव किया है। आज से नई समय सारिणी लागू की जाएगी। आपको बता दें कि 13 हजार यात्री ट्रेनों का समय और 7 हजार मालगाड़ी का समय बदल गया है। इतना ही नहीं, देश में चलने वाली करीब 30 राजधानी ट्रेनों का समय भी 1 नवंबर से बदल जाएगा।

वॉट्सऐप हो जाएगा बंद

अब से कुछ आईफोन और एंड्रॉयड फोन्स पर 1 नवंबर से वॉट्सऐप काम नहीं करेगा। वॉट्सऐप पर दी गई जानकारी के मुताबिक, 1 नवंबर से वॉट्सऐप एंड्रॉयड 4.0.3 आईसक्रीम सैंडविच, iOS 9, और KaiOS 2.5.0 को सपोर्ट नहीं करेगा। जिन स्मार्टफोन्स पर यह सपोर्ट नहीं करेगा, उनमें सैमसंग, ZTE, हुवावे, सोनी और अल्काटेल आदि शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिए यहां क्लिक करें

SBI ग्राहक वीडियो कॉल के जरिए जमा कर सकेंगे लाइफ सर्टिफिकेट

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने पेंशनरों के लिए नई सुविधा शुरू की है। अब पेंशनर घर बैठे वीडियो कॉल के जरिए अपना लाइफ सर्टिफिकेट यानी जीवन प्रमाण पत्र सबमिट कर सकेंगे। लाइफ सर्टिफिकेट पेंशनधारक के जिंदा होने का प्रमाण होता है। पेंशन जारी रखने के लिए इसे हर साल उस बैंक, डाकघर या वित्तीय संस्थान में जमा करना होता है, जहां पेंशन आती है।

बैंकिंग नियमों में होगा बदलाव

अब बैंकों को अपना पैसा जमा करने और निकालने पर चार्ज देना होगा। बैंक ऑफ बड़ौदा ने इसकी शुरुआत की है। अगले महीने से निर्धारित सीमा से अधिक बैंकिंग करने पर अलग से शुल्क लगेगा। 1 नवंबर से ग्राहकों को लोन खाते के लिए 150 रुपए चुकाने होंगे। खाताधारकों के लिए तीन बार तक जमा करना मुफ्त होगा, लेकिन अगर ग्राहक चौथी बार पैसा जमा करते हैं, तो उन्हें 40 रुपए का भुगतान करना होगा। वहीं जनधन खाताधारकों को इसमें कुछ राहत मिली है, उन्हें जमा करने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा, बल्कि निकासी पर 100 रुपए देने होंगे।

घर बैठे मिलेगा डीजल : इंडियन ऑइल ने शुरू की डीजल की होम डिलीवरी, हमसफर ऐप के जरिए कर सकेंगे ऑर्डर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

तेल कंपनी इंडियन ऑइल कॉरपोरेशन ने दिल्ली की स्टार्टअप हमसफर इंडिया के साथ मिलकर डीजल की डोरस्टेप डिलीवरी सेवा शुरू की है। एक मोबाइल ऐप, फ्यूल हमसफर के माध्यम से दी जाने वाली सेवा ने पंजाब राज्य के पटियाला और नए जिले मलेरकोटला में 20 लीटर सफर 20 जेरी कैन में डीजल की डिलीवरी शुरू कर दी है।

इन राज्यों में मिलेगी ये सर्विस

कंपनी ने कहा कि यह सेवा उन ग्राहकों के लिए है जो 20 लीटर से कम मात्रा में डीजल चाहते हैं। कंपनी के अनुसार, सेवाएं उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, महाराष्ट्र, असम, केरल, गुजरात, गोवा और नोएडा, दिल्ली, फरीदाबाद और गाजियाबाद सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में उपलब्ध हैं।

फ्यूल हमसफर ऐप के जरिए मिलेगी सुविधा

हमसफर इंडिया की संस्थापक और निदेशक सान्या गोयल ने कहा कि अब उनकी ओर से फ्यूल हमसफर के नाम से एक यूजर के अनुकूल ऐप बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग किया गया है, जो ईंधन के आसान ऑर्डर और ट्रैकिंग करेगा।

इनको मिलेगा फायदा

नई सर्विस से छोटे उद्योगों, मॉल, अस्पतालों, बैंकों, निर्माण स्थलों, किसानों, मोबाइल टावरों, शिक्षा संस्थानों के साथ-साथ छोटे उद्योगों को लाभ होने की उम्मीद है।

घरेलू एएमसी को सर्वाधिक लाभ

नई दिल्ली। घरेलू परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) ने वित्त वर्ष 2021 में अपना सर्वाधिक शुद्ध लाभ दर्ज किया है। इक्विटी बाजारों में शानदार तेजी, निवेशक प्रवाह बढ़ने और खर्च में कमी की वजह से इन कंपनियों को अपना शुद्ध मुनाफा बढ़ाने में मदद मिली है। म्युचुअल फंडों के प्रदर्शन पर नजर रखने वाले संगठन वैल्यू रिसर्च के आंकड़े के अनुसार, एएमसी ने वित्त वर्ष 2021 6,859 करोड़ रुपये का संयुक्त लाभ दर्ज किया, जो पूर्ववर्ती वर्ष में दर्ज किए गए 5,232 करोड़ रुपये के मुकाबले 31 प्रतिशत की वृद्धि है। 40 विभिन्न फंड हाउसों में शामिल, एचडीएफसी एएमसी ने 1,326 करोड़ रुपये का सर्वाधिक मुनाफा दर्ज किया, जिसके बाद आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी (1,245 करोड़ रुपये) का स्थान रहा।

APPOINTMENTS
ITDC NEWS
Reputed business Hindi daily of Madhya Pradesh is required
POSTINGS AT BHOPAL MP
SALES AD TEAM LEADER
5 years experience in print media
EXECUTIVE SPACE SALES
Degree in any discipline, prefer BBA
News Reporter
Degree in any discipline, Prefer BJ
Send resume hr.itdcnews@gmail.com, and whatsapp on 9826073332 in 3 days

परोपकार भी, रोजगार भी
प्रति माह 50 हज़ार या अधिक भी अर्जन कर सकते हैं.
बिना किसी पूंजी, बिना तकनीकी योग्यता

बेरोजगार
एवं बेहतर जॉब या कार्य संतुष्टि चाहने वाले भाई बहन आगामी
अर्थ सम्मेलन 21
20 नवंबर 2021, 3.00PM
(वर्चुअल ज़ूम पर, सीमित स्थान) में भाग लें.
अपनी सीट बुकिंग गूगल आवेदन फॉर्म लिंक हेतु
YES, I AM WILLING.
(name, state, mob. no.)
निम्न मोबाइल व्हाट्सएप्प न. पर लिखें.
+91 9826 22 00 22
green DONOR हरित वीर वाहिनी
माँ प्रकृति सँवार, संवर्धन, संरक्षण, के लिए समर्पित.

PRESS ITDC ITDC NEWS
मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,
विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे है,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।
मेरे लोग, मेरा विधान
इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।
आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीवॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।
आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।